वाराणसी, आजमगढ़, प्रयागराज, लखनऊ, आगरा, अलीगढ़, बरेली, बस्ती, चित्रकूट, देवीपाटन, अयोध्या, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, मेरठ, मिर्जापुर, मुरादाबाद, सहारनपुर मण्डल सहित दिल्ली, उत्तर प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, बिहार, मुम्बई में प्रसारित

आप की उम्मीद
...एक बेहतर कल की
www.aapkiummid.com
हर छोटी-बड़ी ख़बरों का एकमात्र प्लेटफार्म
गूगल प्ले स्टोर पर भी उपलब्ध
Aap ki Ummid
8081 73 2332
7007 30 4874

भारत व राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
तेजस टूडे
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
नजर सब पर...

नया सबेरा
जौनपुर की हर महत्वपूर्ण खबरें
www.nayasabera.com
पर पढ़ें और स्वयं को रखें अपडेट.
जौनपुर का नं. 1 न्यूज पोर्टल
Contact us : 9807374781, 9792499320

■ वर्ष 11 ■ अंक 135 ■ जौनपुर ■ सोमवार, 27 अप्रैल 2020
www.tejastoday.page
मुख्य संस्करण (जौनपुर), पृष्ठ 08, मूल्य 2.00

कोरोना के खिलाफ जारी जंग को PM मोदी ने बताया जनता द्वारा जनता के नेतृत्व में लड़ी जा रही लड़ाई

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक महामारी कोरोना के खिलाफ भारत में जारी जंग को पूरी तरह से

जनता द्वारा जनता के नेतृत्व में लड़ी जा रही लड़ाई बताया है। लेकिन साथ ही प्रधानमंत्री ने देशवासियों को बीमारी की वापसी के प्रति आगाह करते हुए कहा है कि शुरुआती सफलता के बाद अब जरा सी भी लापरवाही बेहद घातक साबित हो सकती है। मोदी ने रविवार को अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा, ''कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से निपटने की जंग 'जन-प्रेरित' है और जन-जन इस लड़ाई में सिपाही बनकर इसका नेतृत्व कर रहा है।'' उन्होंने कहा, ''लोग एक दूसरे की मदद करने के लिए आगे आ रहे हैं, और यह लड़ाई हम सब मिलकर देश की जनता के नेतृत्व में लड़ रहे हैं।'' उन्होंने इस अभियान में कोरोना वायरस के संक्रमण को नियंत्रित करने में मिली शुरुआती कामयाबी का जिक्र करते हुये देशवासियों को अति आत्मविश्वास में आने से बचने के प्रति आगाह भी किया। उन्होंने पूरी सतर्कता बरतने की जरूरत पर बल देते हुये कहा, ''हमारे यहां कहा भी गया है कि सावधानी हटी और दुर्घटना घटी।'' प्रधानमंत्री मोदी ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में समाज के सभी वर्गों के योगदान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक दूसरे की मदद के लिये हर गली में लोग आगे आ रहे हैं। उन्होंने लॉकडाउन के दौरान इस संक्रमण के खिलाफ जनभावनाओं को समेकित करने के लिये ताली थाली बजाने और दीया मोमबत्ती जलाने के अभियान को मददगार बताते हुये कहा कि इन गतिविधियों ने जनभावनाओं को जज्बे में तब्दील कर दिया। उन्होंने कहा कि हर गांव और शहर में लोगों ने कोरोना के खिलाफ मोर्चा संभाल लिया है। मोदी ने कहा, ''महामारी के बीच किसान खेतों में मेहनत कर रहे हैं, शहरों में कोई किराया माफ कर रहा है, कोई अपनी पुरस्कार राशि पीएम केयर फंड में दान कर रहा है, कहीं मजदूर जिस स्कूल में क्वारंटाइन में हैं, उस स्कूल की रंगाई पुताई कर रहे हैं।'' मोदी ने कहा कि यह सेवाभाव ही कोरोना के खिलाफ भारत को ताकत दे रहा है और इस लड़ाई को जनता के नेतृत्व वाली लड़ाई में तब्दील कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की जन भावनाओं को वह आदरपूर्वक नमन करते हैं। उन्होंने कहा, ''भविष्य में कोरोना के खिलाफ इस लड़ाई की दुनिया में जब कभी भी चर्चा होगी तब भारत की जंग को जनता के नेतृत्व (पीपुल्स ड्रिविन) वाली लड़ाई के रूप में याद किया जायेगा।'' इस दौरान मोदी ने इस लड़ाई में कोविड वॉरियर बनने के लिये सरकार द्वारा शुरु किये गए नये प्लेटफार्म का जिक्र करते हुये कहा कि ''कोविड वॉरियर डॉट जीओवी डॉट इन'' नामक इस पोर्टल पर अब तक लगभग 1.25 करोड़ लोग जुड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान में जरूरतमंद लोगों की मदद के लिये डाक्टर, नर्स, राष्ट्रीय केडिट कोर (एनसीसी) राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), आशा कर्मी और सामाजिक कार्यकर्ता तथा अनगिनत वॉलेंटियर सेवा भाव के साथ आगे आ रहे हैं। उन्होंने देशवासियों से 'कोविड वॉरियर' बनने की अपील करते हुये इस पोर्टल से जुड़ने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिये हाल ही में जारी अध्यादेश को जरूरी कदम बताते हुये कहा, ''स्वास्थ्य सेवाओं को अबाध रूप से सुचारु बनाने के लिये लागू हुये अध्यादेश पर देश ने संतोष व्यक्त किया है।'' उन्होंने कहा कि इस अध्यादेश में स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ हमलों के विरुद्ध सख्त सजा का प्रावधान है। समय की जरूरत को देखते हुये इसे लागू करना जरूरी था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस बीमारी ने विभिन्न क्षेत्रों में समाज की सोच को भी बदला है। उन्होंने कहा कि भले ही कारोबार हो, कार्यालय की संस्कृति हो, शिक्षा हो या चिकित्सा क्षेत्र हो, हर कोई कोरोना वायरस महामारी के बाद की दुनिया में बदलावों के अनुरूप खुद को ढाल रहा है। मोदी ने कहा, ''हर लड़ाई कुछ सबक देती है और नयी मंजिल की दिशा भी प्रदान करती है। इसी का नतीजा है कि भारत नयी संकल्प शक्ति के साथ नये तकनीकी बदलावों की ओर 'टीम भावना' से आगे बढ़ रहा है। इसमें हर इनोवेटर कुछ नया बना रहा है।'' इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के खिलाफ राज्य सरकारों के योगदान की भी सराहना की और कहा कि उन्होंने इस अभियान में बेहद सक्रिय भूमिका निभाई है। उन्होंने केन्द्र, राज्य सरकारों और स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल की सराहना करते हुये कहा कि डाक विभाग से लेकर उड्डयन और रेल मंत्रालय सहित अन्य संबद्ध महकमे राहत एवं चिकित्सा सामग्री को देश के कोने कोने में जरुरतमंद लोगों तक पहुंचा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने संकट की इस घड़ी में कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपटने के लिये जरूरतमंद देशों को दवाइयों की आपूर्ति करने के फैसले को मुसीबत में दूसरों का भी साथ देने की भारत की संस्कृति और मूल चरित्र पर आधारित बताया। उन्होंने कहा, ''जब विश्व भर के नेता कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के बीच सहायता मुहैया कराने के लिए भारत और उसके लोगों का धन्यवाद देते हुये 'थेंक्यू इंडिया' कहते हैं, तो गर्व का भाव बढ़ जाता है।'' मोदी ने इस संकट के दौरान सभी वर्गों के लोगों द्वारा अपने पर्व घरों में ही मनाने की भी प्रशंसा करते हुये देशवासियों से रमजान के पवित्र माह में दुनिया को इस महामारी से मुक्ति दिलाने की दुआयें करने का आह्वान किया। उन्होंने उम्मीद जतायी कि अगली 'मन की बात' जब हम करेंगे तब कोरोना संकट से मुक्ति मिलने की चर्चा हो सकेगी। गौरतलब है कि देश में कोविड-19 के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर रविवार को 824 हो गई, वहीं संक्रमण के कुल मामले 26,496 हो गए हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से अति आत्मविश्वास में आने से बचने की अपील की। उन्होंने कहा, ''इस महामारी के बीच आपके परिवार के सदस्य के नाते मैं कुछ सुझाव देना चाहता हूं। हम इस अति आत्मविश्वास में न पड़ जायें कि हमारे घर, गली, मुहल्ले या दफ्तर में कोरोना नहीं पहुंचा है तो आगे भी यह नहीं पहुंचेगा।

मन की बात में पीएम मोदी ने कहा- योग के बाद दुनिया ने अब आयुर्वेद को भी अपनाया

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सेहत को योग से होने वाले लाभ को देखकर ही दुनिया ने इसे अपनाया और अब उसी प्रकार कोरोना महामारी के वैश्विक संकट के दौरान भारत के सदियों पुराने आयुर्वेद के सिद्धांतों को भी अपनाया गया है। मोदी ने रविवार को अपने कार्यक्रम 'मन की बात' में देश के युवाओं से आह्वान किया कि वे आयुर्वेद के विभिन्न पहलुओं की वैज्ञानिक तरीके से दुनिया के समक्ष व्याख्या प्रस्तुत करें, जिससे चिकित्सा क्षेत्र में भारत के प्राचीन आयुर्वेद के ज्ञान का वैश्विक लाभ सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने युवाओं से कोरोना संकट को आयुर्वेद का विश्वव्यापी प्रसार करने के एक अवसर के रूप में देखने की अपील की। प्रधानमंत्री ने इस दौरान कोरोना की वजह से सार्वजनिक स्थलों पर थूकने जैसी लोगों की तमाम आदतों में भी बदलाव लाने का आह्वान किया।मोदी ने कहा, ''दुनिया ने योग की तरह ही आयुर्वेद को भी अब सम्मान के भाव से देखना शुरु कर दिया है।'' उन्होंने अपने ही देश में अपने प्राचीन पारंपरिक ज्ञान की परंपराओं को नकारने की प्रवृत्ति को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।उन्होंने कहा, ''यह दुर्भाग्य रहा है कि हम अपनी ही शक्तियों को नकार देते है, लेकिन जब विदेशी लोग, ज्ञान की इस शक्ति को वैज्ञानिक प्रमाण के साथ बताते है तो हम उसे स्वीकार कर लेते हैं।'' मोदी ने सैकड़ों साल की

गुलामी को इसकी संभावित वजह बताते हुये युवाओं से आह्वान किया, ''भारत की युवा पीढ़ी को इस चुनौती को स्वीकार करना होगा कि योग की तरह, आयुर्वेद को भी विश्व स्वीकार करे। इसके लिये युवाओं को वैज्ञानिक में दुनिया को अपने आयुर्वेद को समझाना होगा।''प्रधानमंत्री ने कोरोना के संक्रमण से बचने के लिये आयुर्वेद में सुझाये गये गरम पानी पीने सहित अन्य उपायों का पालन करने की देशवासियों से भी अपील की। उन्होंने कहा, ''उम्मीद है कि आयुष मंत्रालय ने रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिये जो प्रोटोकॉल दिया था उसका आप पालन कर रहे होंगे। इससे आपका लाभ होगा।'' कोरोना संकट में लोगों की कुछ आदतों में भी बदलाव आने का जिक्र करते हुये मोदी ने कहा, ''कोविड-19 ने हमारी कुछ आदतें भी बदली हैं। इस संकट ने हमारी समझ और चेतना को जागृत किया है। इसमें मास्क पहनना या चेहरे को ढक कर रखना शामिल है।''उन्होंने कहा कि मास्क अब सामान्य जनजीवन का हिस्सा बन रहा है। इसका इस्तेमाल करने की आदत हमें पहले नहीं थी। मोदी ने स्पष्ट किया कि इसका यह मतलब नहीं है कि जो मास्क लगाते हैं वे बीमार हैं।''प्रधानमंत्री ने पुरानी धारणा का जिक्र करते हुये कहा कि एक जमाना था जब कोई फल खरीदता था तो लोग पूछते थे कि परिवार में कोई बीमार तो नहीं है। क्योंकि पहले बीमार होने पर ही फल खाये जाते थे। उन्होंने कहा कि अब यह धारणा बदली है। इसी प्रकार मास्क को लेकर भी सोच बदली है। उन्होंने कहा, ''मास्क सभ्य समाज का प्रतीत बनेगा।

उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक कार्यक्रमों पर 30 जून तक लॉकडाउन

लखनऊ। मुख्यमंत्री ने को यहां अपने सरकारी आवास पर कोविड-19 से निपटने के लिए गठित टीम-11 की समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि आगामी 30 जून तक राज्य में कोई भी सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति न दी जाए। उन्होंने कहा, पूरे राज्य में लॉकडाउन को सख्ती से लागू किया जाए। किसी भी हाल में कहीं भीड़ इकट्ठा न हो। मुख्यमंत्री ने रविवार को यहां अपने सरकारी आवास पर कोविड-19 से निपटने के लिए गठित टीम-11 की समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि आगामी 30 जून तक राज्य में कोई भी सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति न दी जाए। उन्होंने कहा,'' पूरे राज्य में लॉकडाउन को सख्ती से लागू किया जाए। किसी भी हाल में कहीं भीड़ इकट्ठा न हो। पेट्रोलिंग बढ़ायी जाए और सोशल डिस्टेंसिंग को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।''योगी ने कहा कि कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए पूल टेस्टिंग को बढ़ावा दिये जाने पर पर जोर देते हुए कहा कि इससे ज्यादा से ज्यादा लोगों की जांच करके कोरोना पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है। योगी ने कहा कि कोरोना वायरस प्रभावित मरीजों के इलाज के लिए प्लाज्मा थेरेपी बढ़ाने पर विचार किया जाना चाहिए, क्योंकि इसके अच्छे परिणाम मिले हैं। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में रह रहे उत्तर प्रदेशवासियों को पृथक-वास अवधि पूरी होने के बाद चरणबद्ध तरीके से प्रदेश वापस लाने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना वायरस के मरीजों के उपचार में लगी डॉक्टर, नर्स, अर्धचिकित्सार्कियों तथा अन्य कर्मियों की टीम को हर हाल में मेडिकल इन्फेक्शन से बचाया जाए क्योंकि इस वायरस के खिलाफ जंग में मेडिकल टीम को सुरक्षित रखना अत्यन्त आवश्यक है। उन्होंने इसके लिए कोविड अस्पतालों में पर्याप्त संख्या में पीपीई किट, एन-95 मास्क की व्यवस्थाऔर अस्पतालों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया। योगी ने मेडिकल इन्फेक्शन की रोकथाम के लिए गठित की गयी टीम को कोरोना के इलाज में लगे सभी कर्मियों की लगातार निगरानी के निर्देश भी दिये। उन्होंने कहा कि कोविड-19 अस्पतालों में अनिवार्य रूप से सिर्फ कोविड संक्रमण का ही इलाज हो अन्य चिकित्सा गतिविधियां इन अस्पतालों में न की जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लेन-देन के लिए रुपे कार्ड तथा अन्य माध्यम को बढ़ावा दिया जाए। उनका कहना था कि सभी ग्रामीण सेवाओं को मुहैया कराने के लिए ग्राहक सेवा केन्द्र (सी0एस0सी0) की तर्ज पर व्यवस्था बनायी जाए, जिससे बैंकों में होने वाली भीड़ को कम किया जा सके। योगी ने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है।

महादेव टीम का 15 दिन तक भोजन कराने का संकल्प पूर्ण

पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने की सराहना

जौनपुर (टीटीएन) 26 अप्रैल। मां अम्बा क्लब के संरक्षण में महादेव टीम खरका कालोनी ने रविवार को 700 से अधिक लोगों को लंच पैकेट दिया। साथ ही 15 दिन तक लगातार भोजन कराने का संकल्प भी पूर्ण कर लिया। इस आशय की जानकारी संस्थाध्यक्ष हेमन्त श्रीवास्तव ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। वहीं समापन अवसर पर मौजूद पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने महादेव टीम से जुड़े सभी लोगों के प्रति आभार जताते हुये उनके इस कार्य की सराहना किये। मीडिया प्रभारी रजनीश मिश्रा ने बताया कि धार्मिक संस्था महादेव टीम द्वारा 5 दिन तक भोजन कराने का संकल्प लिया गया था लेकिन सहयोग मिलने पर यह सेवा 15 दिन तक चला। इसी क्रम में हरिओम भारद्वाज ने महादेव टीम से जुड़े सभी लोगों का उत्साह बढ़ाने की बात दोहरायी। महासचिव मनोज शुक्ला ने बताया कि इस नेक कार्य में संरक्षक अमित सिंह बण्टी के अलावा अभिषेक उपाध्याय, रवि शुक्ला वाराणसी, डा. गौरव, आनन्द सिंह, रजनीश सिंह, अजय प्रताप सिंह, सुधीर सिंह, बृजेश राय, प्रदीप मिश्रा, अन्नू सिंह, कृष्ण मोहन पाण्डेय, धरमवीर, अवनीश, अकिंत्य, पिन्कू यादव, रोहित रूद्र, विकास, आशू पाण्डेय, अवनीश सिंह, दिलीप शर्मा, पवन पटेल सहित तमाम लोगों का सहयोग सराहनीय रहा।

जौनपुर नगर में 15 दिन तक भूखों को भोजन कराने के संकल्प पूर्ण पर उपस्थित पूर्व विधायक सुरेन्द्र सिंह सहित मौजूद महादेव टीम। छाया-तेजस टूडे

कोविड-19 के खिलाफ जंग में आक्रामक जांच की भूमिका अहम : मनमोहन सिंह

नयी दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने रविवार को कहा कि आक्रामक जांच सुविधाओं के बिना, भारत कोविड-19 के कारण पेश आरही चुनौतियों से पार नहीं पा सकता है। सिंह ने कांग्रेस की ओर से जारी एक वीडियो में कहा कि जांच और संक्रमितों का पता लगाना इस समस्या से लड़ने में अहम है। सिंह ने कहा, ''पर्याप्त मात्रा में जांच सुविधा नहीं होने से जुड़ी कुछ समस्याएं हैं और जांच की अधिक आक्रामक सुविधाओं के बिना हम इस समस्या से नहीं उबर पाएंगे।' कांग्रेस ने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी और लॉकडाउन से जुड़े वर्तमान संकट को दूर करने के संबंध में जारी वीडियो में विभिन्न नेताओं के विचारों को साझा किया है। ये नेता सिंह की अध्यक्षता में बने सलाहकार समूह के सदस्य हैं जो विभिन्न मामलों पर पार्टी के विचारों को निरूपित करते हैं। उन्होंने प्रवासी मजदूरों के संबंध में मानवता, संरक्षण और आर्थिक सुरक्षा के विषय पर भी जोर दिया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि प्रवासियों के संरक्षण के लिए पार्टी के पास एक विस्तृत रूपरेखा होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमें इस बात पर जोर देना चाहिए कि प्रवासी श्रमिक सुरक्षित रहें। लेकिन हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि इस बात को अमल में लाने के लिए असल जिम्मेदारी राज्य सरकारों की होगी। विभिन्न राज्य सरकारें इस समस्या को सुलझाने के लिए विभिन्न कार्य प्रणालियां चुन सकती हैं।' गांधी ने कहा, 'हमारी प्रवासी कामगार रणनीति में संरक्षण भी शामिल होना चाहिए। उनकी समस्या इसके केंद्र में रहनी चाहिए। प्रवासी मजदूर की आवाजाही दो राज्यों पर निर्भर होनी चाहिए और उन्हें इस बारे में बात करनी चाहिए।' कांग्रेस ने वीडियो साझा करते हुए कहा, 'कोविड-19 से जंग लड़ने में परीक्षण और संक्रमितों की खोज अहम है।

प्रवासी मजदूरों की समस्याओं के समाधान के लिए मानवता, संरक्षण एवं वित्तीय सुरक्षा का रुख अपनाया जाना चाहिए। आगे बढ़ने का केवल यही रास्ता है।' पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने कहा कि प्रवासी मजदूर जिस राज्य से आया है यह उस राज्य पर छोड़ देना चाहिए कि वह अन्य राज्यों से अपने कामगारों को निकालने के तरीके ढूंढे। उन्होंने कहा, 'लेकिन ज्यादातर को वहीं रहना होगा जहां वे हैं। उन्हें तत्काल नकद और अनाज दिए जाने की जरूरत है।' कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा, 'सरकार इस जंग में पिछड़ रही है और हमें देश के लोगों के लिए सरकार पर दवाब बनाना होगा।' कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि सरकार की वित्तीय कार्य योजना-1 असल में सफल नहीं हुई और सरकार को और प्रयास करने की जरूरत है।

निम्न नहीं, मध्यम वर्गीय परिवारों के बीच पहुंचा ओजस्वनी परिषद

अब मध्यम वर्गीय लोगों पर छाने लगे संकट के बादलः रानी तिवारी

जौनपुर के मध्यम वर्गीय परिवारों के बीच राशन ले जाने की तैयारी करतीं ओजस्वनी परिषद की पदाधिकारीगण। छाया-तेजस टूडे

जौनपुर (टीटीएन) 26 अप्रैल। अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद की अनुसांगिक शाखा ओजस्वनी परिषद की अध्यक्ष रानी तिवारी के नेतृत्व में रविवार को लोगों से हटकर कार्य किया गया। उन्होंने संकट की इस घड़ी में निम्न नहीं, बल्कि मध्यम वर्गीय परिवारों का आंसू पोंछने का काम किया है।

बता दें कि निम्न वर्गीय परिवारों के लिये शासन-प्रशासन के अलावा तमाम स्वयंसेवी संगठन आगे आये है लेकिन अब टूट चुके मध्यम वर्गीय परिवारों के लिये कोई नहीं सोच रहा है। उपरोक्त लोग न मध्यम वर्गीय परिवार के पास पहुंचते हैं और न ही ऐसे परिवार किसी से कुछ कह पा रहे हैं। ऐसे में ओजस्वनी परिषद ने गोपनीय ढंग से इस अभियान की शुरूआत करते हुये ऐसे परिवार के बीच पहुंचने का वीणा उठा लिया है।

इसी क्रम में रविवार को रानी तिवारी के नेतृत्व में राशन सामग्री का पैकेट मध्यम वर्गीय परिवार में बांटा गया। इस नेक कार्य में स्वाती तिवारी, सोनी तिवारी, श्वेता शुक्ला, शिवानी मौर्या, महक मौर्या, गौरी तिवारी आदि लगी हुई है।

कमला हास्पिटल ने सफाईकर्मियों सहित 300 लोगों को दिया राशन

ईओ अनिल सिंह सहित पूरे पंचायत परिवार के प्रति जताया आभार

जौनपुर के मछलीशहर में लोगों को राशन सामग्री देते डा. आरबी चौहान सहित अन्य एवं सोशल डिस्टेंसिंग में खड़े सफाईकर्मी आदि। छाया-तेजस टूडे

मछलीशहर, जौनपुर (टीटीएन) 26 अप्रैल। स्थानीय नगर सहित विभिन्न गांवों के गरीब बस्तियों में कमला हास्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर मीरपुर चौराहे के संचालक डा. आरबी चौहान की तरफ से 300 जरूरतमन्दों में खाद्य सामग्री वितरित किया गया। अस्पताल के सामने शारीरिक दूरी का पालन करते हुये गोला बनाकर जरूरतमन्दों में तेल, मसाला, चावल, दाल, आटा, चीनी, नमक दिया गया। साथ ही श्री चौहान ने कहा कि जिस जरूरतमन्द को खाद्य सामग्री सम्बन्धित कोई परेशानी हो तो तत्काल सम्पर्क करें। कार्यकर्ताओं द्वारा उसकी सहायता अवश्य करायी जायेगी। इस दौरान उन्होंने अधिशासी अधिकारी अनिल सिंह के नेतृत्व में स्थानीय नगर में लगातार सफाई व सेनिटाइजर कार्य में लगे सफाईकर्मियों के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर कोतवाल पंकज पाण्डेय, उपनिरीक्षक सरिता यादव सहित तमाम पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में सेण्ट थॉमस स्कूल के प्रबन्धक रमेश बेबी ने कहा कि इस संकट काल में हर व्यक्ति को यह ध्यान रखना चाहिये कि अपने अगल-बगल कोई भी भूखा न रहे। कार्यक्रम में अरमान खान, दानिश खान, संतोष तिवारी, सपा नेता पंधारी लाल यादव, राम सहाय यादव, डा. रंजित यादव, अतुल कुमार, अमर सिंह, शुभम तिवारी, गनेश, केशव, सूरज सिंह आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

शाहगंज कोतवाली के सिपाही ने चालक को बेरहमी से पीटा

घायल चालक अस्पताल में भर्ती, आक्रोशित हैं व्यापारी

शाहगंज, जौनपुर (टीटीएन) 26 अप्रैल। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के कलेक्टरगंज में रविवार को मण्डी में आये डीसीएम खलासी की एक पुलिसकर्मी ने जमकर पिटाई कर दी जिसे उपचार हेतु एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जौनपुर के शाहगंज के गल्ला मण्डी में सिपाही द्वारा चालक की पिटाई के बाद आक्रोशित व्यापारियों को समझाते उपनिरीक्षक लव कुमार शुक्ला।
छाया-तेजस टूडे

जानकारी के अनुसार प्रयागराज से डीसीएम लेकर आ रहे सोराब निवासी मो. शालिम 18 वर्ष गल्ला मण्डी में दाल उतरने के बाद गाड़ी बैक करा रहा था। इसी दौरान दो पुलिसकर्मी आये जो आवागमन में बाधक गाड़ी को किनारे खड़ा करने की बात करने लगे। इस पर शालिम व सिपाही अंकुर सिंह में बहस होने लगी जिससे आपा खोये जवान ने लाठियों की बौछार कर दी।

लोग समझाते रहे लेकिन वह कुछ सुनने को तैयार नहीं हुआ। ऐसे में जान बचाने के लिये शालिम को एक दुकान में घुसना पड़ा। इसके बावजूद सिपाही अंकुर सिंह दुकान के अंदर घुसकर पिटाई जारी रखा जो क्षेत्रीय व्यापारियों को अपशब्दों से नवाजता भी रहा। ऐसे में व्यापारी सहित उपस्थित सभी लोग आक्रोशित हो उठे जिसे देख पुलिसकर्मी खिसक लिये। जानकारी होने पर पहुंचे उपनिरीक्षक लव कुमार शुक्ला ने घायल को उपचारहेतु एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया और आक्रोशित लोगों को समझाया लेकिन व्यापारियों ने उक्त सिपाही के विरूद्ध कार्यवाही हेतु उच्चाधिकारियों से मांग किया है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग ने बांटे लंच पैकेट

जितेन्द्र चौधरी

थानागद्दी, जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र में राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग की टीम द्वारा कनवानी ग्रामसभा के टेकुरीडीह मौजा के बनवासी बस्ती सहित अन्य जगहों के लोगों को 300 लंच पैकेट दिया गया। इस मौके पर सचिव कैलाश नाथ पाठक ने बताया कि यह कार्यक्रम अनवरत चल रहा है। गरीबों व असहायों की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म होता है। इस अवसर पर अमरनाथ यादव प्रबंधक अमर इंटर कालेज महुवारी, रामचंद्र प्रजापति, सुनील यादव, विजयराज अमृत, हरिश्चंद्र सरोज, मुन्ना पाठक, पंकज पाठक एडवोकेट, वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र चौधरी सहित तमाम लोग उपस्थित थे।

सांसद श्याम सिंह यादव ने बंटवाया भोजन

शाहगंज, जौनपुर (टीटीएन) 26 अप्रैल। जौनपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद श्याम सिंह यादव के निर्देश पर कार्यकर्ताओं ने सोंधी ब्लाक व शाहगंज शहर में सड़क के किनारे डेरा डालकर रह रहे लगभग सैकड़ों से जरूरतमन्दों को भोजन का पैकेट दिया।

जौनपुर के शाहगंज क्षेत्र में सांसद श्याम सिंह यादव की तरफ से भोजन बांट रहे लोग।
छाया-तेजस टूडे

इस सेवा कार्य में सांसद के भतीजे सौरभ यादव, अखिलेश यादव, माया शंकर, जितेन्द्र यादव पूर्व ब्लाक समन्यवक शाहगंज (सोंधी) सहयोग दे रहे हैं।

कोरोना से बचाव के लिये विधायक रमेश मिश्रा ने किया हवन

जौनपुर के बदलापुर में स्थित कार्यालय पर कोरोना महामारी से बचाव के लिये हवन-पूजन करते विधायक रमेश चन्द्र मिश्रा।
छाया-तेजस टूडे

महराजगंज/बदलापुर, जौनपुर (टीटीएन) 26 अप्रैल। स्थानीय विस क्षेत्र के भाजपा विधायक रमेश चन्द्र मिश्रा ने रविवार को अक्षय तृतीया पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आह्वान पर कोरोना महामारी पर देश को विजय दिलाने के संकल्प लेकर हवन पूजन किया।

जनसम्पर्क कार्यालय पर आयोजित हवन कार्यक्रम में सुनील तिवारी, विधायक प्रतिनिधि गंगा प्रसाद सिंह, विस क्षेत्र के चारों मण्डलाध्यक्ष विनोद शर्मा, लवकुश सिंह, विनोद मौर्या, बलवीर गौड़ आदि उपस्थित रहे। सभी ने हवन में आहूति देते हुये इस महामारी को खत्म करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना किया।

कांग्रेसजनो द्वारा रक्तदान की तीसरी कड़ी

जितेन्द्र चौधरी

वाराणसी। वैश्विक बीमारी कोरोना के चलते, पूरा वाराणसी शहर ठहर सा गया है, पर इससे अलग कुछ बीमारियां आमतौर पर जिससे बनारस ही नही पूरा देश जूझ रहा है,और शहर के सभी अस्पतालों में इमर्जेन्सी सेवाएं चालू है, जिसके कारण ब्लड बैंकों में खून की ज्यादा कमी हो गयी है। अक्षय तृतीया के अवसर व काशी के प्रथम सांसद रहे विकास पुरुष कहे जाने वाले स्व श्रध्येय रघुनाथ सिंह पुण्य तिथि पर पूर्व विधायक पूर्व मंत्री जननेता अजय राय के आवाहन पर तीसरे कड़ी में जिला महानगर युवा कांग्रेस की संयुक्त इकाई द्वारा आज दिनाँक 26 अप्रैल को आई0एम0ए0 लहुराबीर ब्लड बैंक में तीसरे कड़ी में सेकड़ो कांग्रेसजनों द्वारा रक्तदान का कार्यक्रम हुआ।

भाजपा नेता ने कोरोना वारियर्स को किया सम्मानित

मेंहनगर, आजमगढ़। थानाध्यक्ष गंभीरपुर विजय प्रताप सिंह सहित समस्त पुलिसकर्मियों पर पुष्पवर्षा किया गया। साथ ही गमछा व सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह नेक कार्य भाजपा के पूर्व जिला मंत्री अरविंद सिंह ने किया। तत्पश्चात् कहा कि सबका साथ-सबका विकास के लिए केंद्र से लेकर प्रदेश सरकार लोगों की सहायता करने के लिए कटिबद्ध है। कोरोना जैसी महामारी से निपटने के लिए चिकित्सकों, पुलिस व सफाईकर्मी रात-दिन एक करके सबको सुरक्षित करने के साथ सरकार के अपील का पालन करा रहे हैं। इस अवसर पर रानीपुर मंडल अध्यक्ष आलोक सिंह पटेल, पूर्व अध्यक्ष राजेश सिंह, सुधीर विश्वकर्मा सहित तमाम लोग सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुये मौजूद रहे।

कार्यालयः ग्राम पंचायत मियांपुर बकुची, वि.खं. शाहगंज, जनपद जौनपुर

अल्पकालिक निविदा

वित्तीय वर्ष २०२०-२१ में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/१४वां वित्त एवं मनरेगा योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से नाली, खड़ंजा, पुलिया, आंगनवाड़ी केन्द्र, हैण्डपम्प मरम्मत, हैण्डपम्प रिबोर, सौर ऊर्जा स्थापना, पंचायत भवन मरम्मत/निर्माण, सोख्ता गड्ढा, विद्यालय की बाउण्ड्री निर्माण, ए.एन.एम. सेण्टर की बाउण्ड्रीवाल, विद्यालय का कायाकल्प, ग्रीन बोर्ड, डेस्क, बेंच, दिशासूचक बोर्ड, टाइल्स, फ्लिंग मशीन, आंगनवाड़ी के लिये निम्न सामग्री, इण्टरलाकिंग, सामूहिक शौचालय निर्माण, खेलकूद मैदान, खेलकूद सामग्री, पंचायत भवन निर्माण, सुन्दरीकरण, कोविड १९ सिनेटाइजेशन, सफाई किट, ब्लीचिंग पाउडर, गोशाला निर्माण, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, तालाब इत्यादि कार्य हेतु सामग्री क्रय के लिये ग्राम पंचायत में सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिसे इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक २७.०४.२०२० से दिनांक ०१.०५.२०२० को अपरान्ह ४ बजे तक सीलबन्द निविदा ग्राम पंचायत के कार्यालय में जमा की जा सकती है जो ०२.०५.२०२० को अपरान्ह २ बजे खोली जायेगी। उक्त कार्य कराने हेतु ईंट, ईंट गिट्टी, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईंट, एस.ओ.बी. ईंट, सीमेण्ट, बालू, सरिया, लकड़ी/लोहे का दरवाजा, पेण्ट, विद्युतीकरण हेतु इलेक्ट्रिक सामग्री, शौचालय सेड इत्यादि की आवश्यकता होगी।

अतः ग्रामसभा/विकास खण्ड/जनपद के पंजीकृत आपूर्तिकर्ता उपरोक्त सामग्री आपूर्ति हेतु अपना दर प्रस्तुत करें।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लम्बाई	दर
१.	ईंट १५० एम.एम. प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईंट	प्रति हजार	
२.	सीमेण्ट	प्रति बैग	
३.	मोरंग बालू	प्रति घन मी.	
४.	महीन बालू	प्रति घन मी.	
५.	स्टोन ब्लास्ट २२.४ एम.एम. से ५३ एम.एम. (अलग-अलग)	प्रति घन मी.	
६.	ईंट गिट्टी २० एम.एम./४. एम.एम.	प्रति घन मी.	
७.	सरिया	प्रति कुन्तल	
८.	ह्यूम पाइप ३५० एम.एम. एन.पी. थ्री	प्रति नग	
९.	ह्यूम पाइप ६००/९०० एम.एम.	प्रति नग	
१०.	सोलर लाइट व स्ट्रीट लाइट	प्रति नग	
११.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
१२.	शौचालय सामग्री	प्रति नग	
१३.	पत्थर पटिया विभिन्न साइज	प्रति नग	
१४.	इण्डिया मार्का टू हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
१५.	चूना, पेण्ट इत्यादि	प्रति नग	
१६.	डेस्क, बेंच सहित अन्य सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	
१७.	कोरोना वायरस संक्रमण के बचाव से सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	

नियम एवं शर्तें- १- सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद की जायेगी। २- आवश्यकतानुसार सामग्री आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के आदेश पर ही की जायेगी, अन्यथा नहीं। ३- सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है। ४- सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। ५- सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा ५० रूपये के स्टाम्प पेपर पर बाण्ड भरना अनिवार्य होगा, तदोपरान्त आपूर्ति जारी किया जायेगा। ६- सामग्री आपूर्ति के बाद निर्माण समिति की स्वीकृति के बाद भुगतान किया जायेगा। ७- आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में, रजिस्ट्रेशन विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा आयकरदाता हो, प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। ८- प्रस्तुत दर पी.डब्ल्यू. डी. की स्वीकृत दर से अधिक न हो। ९- सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा की जानी अनिवार्य होगी। १०- सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। ११- निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार हथोहस्ताक्षरी का होगा।

लल्ली देवी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत मियांपुर बकुची
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

श्रीमती मीना रानी
ग्राम पंचायत/विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत मियांपुर बकुची
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

पत्रांक-मेमो/ग्रा.पं./निविदा/२०२०-२१, दिनांक.....

कार्यालयः ग्राम पंचायत पकड़ी, वि.खं. शाहगंज, जनपद जौनपुर

अल्पकालिक निविदा

वित्तीय वर्ष २०२०-२१ में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/१४वां वित्त एवं मनरेगा योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से नाली, खड़ंजा, पुलिया, आंगनवाड़ी केन्द्र, हैण्डपम्प मरम्मत, हैण्डपम्प रिबोर, सौर ऊर्जा स्थापना, पंचायत भवन मरम्मत/निर्माण, सोख्ता गड्ढा, विद्यालय की बाउण्ड्री निर्माण, ए.एन.एम. सेण्टर की बाउण्ड्रीवाल, विद्यालय का कायाकल्प, ग्रीन बोर्ड, डेस्क, बेंच, दिशासूचक बोर्ड, टाइल्स, फ्लिंग मशीन, आंगनवाड़ी के लिये निम्न सामग्री, इण्टरलाकिंग, सामूहिक शौचालय निर्माण, खेलकूद मैदान, खेलकूद सामग्री, पंचायत भवन निर्माण, सुन्दरीकरण, कोविड १९ सिनेटाइजेशन, सफाई किट, ब्लीचिंग पाउडर, गोशाला निर्माण, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, तालाब इत्यादि कार्य हेतु सामग्री क्रय के लिये ग्राम पंचायत में सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिसे इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक २७.०४.२०२० से दिनांक ०१.०५.२०२० को अपरान्ह ४ बजे तक सीलबन्द निविदा ग्राम पंचायत के कार्यालय में जमा की जा सकती है जो ०२.०५.२०२० को अपरान्ह २ बजे खोली जायेगी। उक्त कार्य कराने हेतु ईंट, ईंट गिट्टी, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईंट, एस.ओ.बी. ईंट, सीमेण्ट, बालू, सरिया, लकड़ी/लोहे का दरवाजा, पेण्ट, विद्युतीकरण हेतु इलेक्ट्रिक सामग्री, शौचालय सेड इत्यादि की आवश्यकता होगी।

अतः ग्रामसभा/विकास खण्ड/जनपद के पंजीकृत आपूर्तिकर्ता उपरोक्त सामग्री आपूर्ति हेतु अपना दर प्रस्तुत करें।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लम्बाई	दर
१.	ईंट १५० एम.एम. प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईंट	प्रति हजार	
२.	सीमेण्ट	प्रति बैग	
३.	मोरंग बालू	प्रति घन मी.	
४.	महीन बालू	प्रति घन मी.	
५.	स्टोन ब्लास्ट २२.४ एम.एम. से ५३ एम.एम. (अलग-अलग)	प्रति घन मी.	
६.	ईंट गिट्टी २० एम.एम./४. एम.एम.	प्रति घन मी.	
७.	सरिया	प्रति कुन्तल	
८.	ह्यूम पाइप ३५० एम.एम. एन.पी. थ्री	प्रति नग	
९.	ह्यूम पाइप ६००/९०० एम.एम.	प्रति नग	
१०.	सोलर लाइट व स्ट्रीट लाइट	प्रति नग	
११.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
१२.	शौचालय सामग्री	प्रति नग	
१३.	पत्थर पटिया विभिन्न साइज	प्रति नग	
१४.	इण्डिया मार्का टू हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
१५.	चूना, पेण्ट इत्यादि	प्रति नग	
१६.	डेस्क, बेंच सहित अन्य सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	
१७.	कोरोना वायरस संक्रमण के बचाव से सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	

नियम एवं शर्तें- १- सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद की जायेगी। २- आवश्यकतानुसार सामग्री आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के आदेश पर ही की जायेगी, अन्यथा नहीं। ३- सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है। ४- सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। ५- सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा ५० रूपये के स्टाम्प पेपर पर बाण्ड भरना अनिवार्य होगा, तदोपरान्त आपूर्ति जारी किया जायेगा। ६- सामग्री आपूर्ति के बाद निर्माण समिति की स्वीकृति के बाद भुगतान किया जायेगा। ७- आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में, रजिस्ट्रेशन विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा आयकरदाता हो, प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। ८- प्रस्तुत दर पी.डब्ल्यू. डी. की स्वीकृत दर से अधिक न हो। ९- सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा की जानी अनिवार्य होगी। १०- सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। ११- निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार हथोहस्ताक्षरी का होगा।

थानेदार यादव
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत पकड़ी
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

नरेन्द्र कुमार
ग्राम पंचायत/विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत पकड़ी
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

पत्रांक-मेमो/ग्रा.पं./निविदा/२०२०-२१, दिनांक.....

कार्यालयः ग्राम पंचायत सैफपुर, वि.खं. शाहगंज, जनपद जौनपुर

अल्पकालिक निविदा

वित्तीय वर्ष २०२०-२१ में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/१४वां वित्त एवं मनरेगा योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से नाली, खड़ंजा, पुलिया, आंगनवाड़ी केन्द्र, हैण्डपम्प मरम्मत, हैण्डपम्प रिबोर, सौर ऊर्जा स्थापना, पंचायत भवन मरम्मत/निर्माण, सोख्ता गड्ढा, विद्यालय की बाउण्ड्री निर्माण, ए.एन.एम. सेण्टर की बाउण्ड्रीवाल, विद्यालय का कायाकल्प, ग्रीन बोर्ड, डेस्क, बेंच, दिशासूचक बोर्ड, टाइल्स, फ्लिंग मशीन, आंगनवाड़ी के लिये निम्न सामग्री, इण्टरलाकिंग, सामूहिक शौचालय निर्माण, खेलकूद मैदान, खेलकूद सामग्री, पंचायत भवन निर्माण, सुन्दरीकरण, कोविड १९ सिनेटाइजेशन, सफाई किट, ब्लीचिंग पाउडर, गोशाला निर्माण, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, तालाब इत्यादि कार्य हेतु सामग्री क्रय के लिये ग्राम पंचायत में सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिसे इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक २७.०४.२०२० से दिनांक ०१.०५.२०२० को अपरान्ह ४ बजे तक सीलबन्द निविदा ग्राम पंचायत के कार्यालय में जमा की जा सकती है जो ०२.०५.२०२० को अपरान्ह २ बजे खोली जायेगी। उक्त कार्य कराने हेतु ईंट, ईंट गिट्टी, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईंट, एस.ओ.बी. ईंट, सीमेण्ट, बालू, सरिया, लकड़ी/लोहे का दरवाजा, पेण्ट, विद्युतीकरण हेतु इलेक्ट्रिक सामग्री, शौचालय सेड इत्यादि की आवश्यकता होगी।

अतः ग्रामसभा/विकास खण्ड/जनपद के पंजीकृत आपूर्तिकर्ता उपरोक्त सामग्री आपूर्ति हेतु अपना दर प्रस्तुत करें।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लम्बाई	दर
१.	ईंट १५० एम.एम. प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईंट	प्रति हजार	
२.	सीमेण्ट	प्रति बैग	
३.	मोरंग बालू	प्रति घन मी.	
४.	महीन बालू	प्रति घन मी.	
५.	स्टोन ब्लास्ट २२.४ एम.एम. से ५३ एम.एम. (अलग-अलग)	प्रति घन मी.	
६.	ईंट गिट्टी २० एम.एम./४. एम.एम.	प्रति घन मी.	
७.	सरिया	प्रति कुन्तल	
८.	ह्यूम पाइप ३५० एम.एम. एन.पी. थ्री	प्रति नग	
९.	ह्यूम पाइप ६००/९०० एम.एम.	प्रति नग	
१०.	सोलर लाइट व स्ट्रीट लाइट	प्रति नग	
११.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
१२.	शौचालय सामग्री	प्रति नग	
१३.	पत्थर पटिया विभिन्न साइज	प्रति नग	
१४.	इण्डिया मार्का टू हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
१५.	चूना, पेण्ट इत्यादि	प्रति नग	
१६.	डेस्क, बेंच सहित अन्य सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	
१७.	कोरोना वायरस संक्रमण के बचाव से सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	

नियम एवं शर्तें- १- सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद की जायेगी। २- आवश्यकतानुसार सामग्री आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के आदेश पर ही की जायेगी, अन्यथा नहीं। ३- सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है। ४- सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। ५- सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा ५० रूपये के स्टाम्प पेपर पर बाण्ड भरना अनिवार्य होगा, तदोपरान्त आपूर्ति जारी किया जायेगा। ६- सामग्री आपूर्ति के बाद निर्माण समिति की स्वीकृति के बाद भुगतान किया जायेगा। ७- आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में, रजिस्ट्रेशन विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा आयकरदाता हो, प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। ८- प्रस्तुत दर पी.डब्ल्यू. डी. की स्वीकृत दर से अधिक न हो। ९- सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा की जानी अनिवार्य होगी। १०- सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। ११- निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार हथोहस्ताक्षरी का होगा।

मदन लाल यादव
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत सैफपुर
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

नरेन्द्र कुमार
ग्राम पंचायत/विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत सैफपुर
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

पत्रांक-मेमो/ग्रा.पं./निविदा/२०२०-२१, दिनांक.....

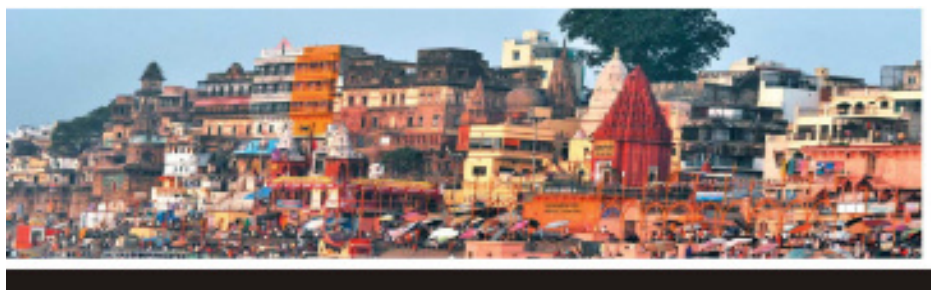

दुष्कर्म में विफल जेठ ने विधवा भयोहू पर फेंका तेजाब

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दो आरोपी को किया गिरफ्तार

पीयूष दीक्षित

मलवां, फतेहपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के कोरैयां गांव में जेठ ने दुष्कर्म में विफल होने पर अपनी विधवा भयोहू पर एसिड फेंक दिया जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। जानकारी के अनुसार महिला के पति की वर्ष 2014 में बीमारी से मौत हो गई थी। इसके 6 साल का एक बेटा है। महिला का आरोप है कि उसका जेठ उस पर खराब नजर रखता है। इसी वजह से वह मौका पाते छेड़छाड़ करने लगता है। यह बात उसने अपने मायके में बताई जिस पर उसके भाई आकर उसे और बेटे को मायके ले गए। महिला ने बताया कि खेती लगवाने व कटवाने के लिए साल में 4-5 बार ससुराल आना पड़ता है। महिला ने बताया कि गेहूं की फसल पक जाने के कारण वह करीब एक माह पहले गांव आई थी। जेठ की नियत ठीक नहीं थी जो अपने दो अन्य साथियों के साथ छेड़छाड़ करने लगा। चिल्लाने पर छोड़कर भाग गये। रात लगभग 9 बजे वह पानी भरने के लिए पास में लगे सरकारी हैंडपंप पर गयी जहां जेठ अपने दो अन्य साथियों के साथ आया और बगल से एसिड (बैटरी वाला तेजाब) डाल दिया जिससे वह झुलस गयी। झुलसी महिला को उपचार हेतु स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां से जिला चिकित्सालय भेज दिया गया। वहीं थानाध्यक्ष शेर सिंह राजपूत ने बताया कि जेठ सहित उसके एक दोस्त को पकड़ा लिया गया है जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

आकाशीय बिजली गिरने से भेड़ पालक की हुई मौत

प्रेमनगर, फतेहपुर। सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के चांदपुर मजरे गौती के करीब बीती रात आकाशीय बिजली गिरने से एक भेड़ पालक की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रामखेलावन पाल 48 वर्ष निवासी बंसीपुर देवारा, चांदपुर के करीब भेड़ को बैठाल रखा था। बीती रात लगभग 10 बजे तेज आंधी-तूफान में आकाशी बिजली की चपेट में आकर भेड़ पालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय पुलिस ने पहुंचकर कागजी कार्रवाई पूरी कर लाश को कब्जे में लेकर अन्त्य परीक्षण हेतु जिला मुख्यालय भेज दिये। वहीं घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है।

लच्छीपुरा की छात्रा का हुआ चिकित्साधिकारी पद पर चयन

जितेन्द्र चौधरी

वाराणसी। हमेशा अपनी पूरी पढ़ाई को मेहनत व लगन से करते हुए बीएचयू जैसे कालेज की टापर छात्रा दुर्गेश नन्दनी ने बी.ए.एम.एस की पढ़ाई वर्ष 2008 से वर्ष 2014 तक काफी मेहनत से की। वर्ष 2014 में बीएचयू की यह छात्रा ने पूरे कालेज में टाप किया। उसके बाद एम.एस की पढ़ाई वर्ष 2014 से वर्ष 2017 तक पुनः पढ़ाई करते हुए एम.एस की परीक्षा को भी टाप किया। वर्ष 2018 में हौसले को बुलंद कर छात्रा ने पी.एच.डी.की भी पढ़ाई करते हुए टाप किया। लोक सेवा आयोग द्वारा निकाली गयी 2019 की चिकित्साधिकारी पद की परीक्षा को दिया। जिसमें 2019 में यूपी में अपना परचम लहराते हुए 220वां रैंक आल यूपी में लायी। बता दें कि वह कैण्ट क्षेत्र के लच्छीपुरा कालोनी की निवासी है। लोक सेवा आयोग की ओर से चिकित्साधिकारी परीक्षा का परिणाम आते ही चयन होते ही उनके घर पर बधाई देने वालों की होड़ लग गयी। दुर्गेश नन्दिनी के पिता नरेन्द्र सिंह वन बिभाग के रिटायर्ड क्षेत्रीय वन अधिकारी हैं जो वाराणसी समेत पूर्वांचल के अधिकांश जनपदों में अपनी सेवा दे चुके हैं।

युवक को सब्जी मण्डी जाना पड़ा महंगा

मुस्ताक आलम

रोहनिया, वाराणसी। स्थानीय थाना क्षेत्र के राजा तालाब सब्जी मंडी में कचनार निवासी एक युवक सब्जी लेने मंडी में मोटरसाइकिल से जा रहा था कि मंडी के पास गाड़ी चेकिंग में रोक लिया गया। पुलिस को देखकर वह भागने लगा कि सिपाही ने उसे ऐसी लाठी मारी कि वह सीधे मोबाइल पर पड़ गयी। ऐसे में उसका मोबाइल चकनाचूर हो गया। जब यह सूचना मंडी में हुई तभी वहां चेकिंग करना राजा तालाब चौकी पुलिस द्वारा बंद कर मौके से खिसक लिये।

कड़ी मशक्कत पर पुलिसकर्मियों सहित नाविक का शव बरामद

फतेहपुर के किशनपुर में पलटी थी नाव, दूसरे दिन मिली लाश

शाहिद शेख

फतेहपुर। किशनपुर थाना क्षेत्र के संगोलीपुर गाँव में स्थित नदी में नाव द्वारा कुछ लोगों उस पार से इस पार आवागमन कर रहे थे जिसकी सूचना पर उपनिरीक्षक रामजीत भारती व आरक्षी शशिकांत निर्मल यादव मौके पर पहुंचे और नाव में सवार होकर नाव चालकों को लॉक डाउन का पालन करने के लिए समझाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान जैसे ही नाव में सवार होकर यमुना नदी के बीच मझधार में पहुंचे, भयानक तूफान आया जिसके बाद नाव बीच मझधार में पलट गई। इस पर उपनिरीक्षक समेत कांस्टेबल व नाविक मौके पर ही डूब गये। जब इस घटना की जानकारी जिला प्रशासन को हुई तो मौके पर भारी पुलिस बल पहुंचा। साथ ही एनडीआरएफ की टीम भी पहुंची जहां कड़ी मशक्कत की गई परंतु शवों को बाहर नहीं निकाला जा सका। रविवार की सुबह लगभग 3 बजे रेक्शू आपरेशन शुरू किया गया जिस पर स्थानीय मछुआरों की मदद से तीनों शवों को बाहर निकाला गया। इसके बाद शवों को अन्त्य परीक्षण हेतु भेज दिया गया। वहीं इस घटना से पुलिस प्रशासन में मातम छाया हुआ। वहीं उपनिरीक्षक, आरक्षी एवं नाविक के परिजन भी मौके पर पहुंच गये जिनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया है।

फतेहपुर में नाव पलटने से कोटवा के दरोगा की मौत, परिवार में मचा कोहराम

मछलीशहर, जौनपुर (टीटीएन) 26 अप्रैल। फतेहपुर में नाव पलटने से मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के कोटवा निवासी उपनिरीक्षक रामजीत भारती की मौत हो गयी। वह फतेहपुर जिले के किशुनपुर थाने में उपनिरीक्षक पद पर तैनात थे। घटना की खबर मिलते ही यहां घर सहित पूरे क्षेत्र में कोहराम मच गया। पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ पड़ी। परिजन रात में ही फतेहपुर के लिये रवाना हो गये।

बता दें कि मृत दरोगा की पत्नी लालदेई 48 वर्ष अपनी पुत्रियां अनुरागिनी 24 वर्ष, हंसी 22 वर्ष, अनामिका 20 वर्ष, अंकिता 16 वर्ष एवं पुत्र राजसेन 12 वर्ष के साथ प्रयागराज के छोटा बघाड़ा मोहल्ले में रहती हैं। सभी बच्चे अभी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

बड़ी बेटी अनुरागिनी ग्रेजुएशन के बाद प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही है तथा दूसरी बेटी हंसी ग्रेजुएशन पूरा की है जबकि तीसरी अनामिका बीए द्वितीय वर्ष में है। चौथी अंकिता इण्टर कर रही है तो बेटा राजसेन कक्षा 7 का छात्र है।

कार्यालयः ग्राम पंचायत नेवादा, वि.खं. शाहगंज, जनपद जौनपुर

अल्पकालिक निविदा

वित्तीय वर्ष २०२०-२१ में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/१४वां वित्त एवं मनरेगा योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से नाली, खड़ंजा, पुलिया, आंगनवाड़ी केन्द्र, हैण्डपम्प मरम्मत, हैण्डपम्प रिबोर, सौर ऊर्जा स्थापना, पंचायत भवन मरम्मत/निर्माण, सोख्ता गड्ढा, विद्यालय की बाउण्ड्री निर्माण, ए.एन.एम. सेण्टर की बाउण्ड्रीवाल, विद्यालय का कायाकल्प, ग्रीन बोर्ड, डेस्क, बेंच, दिशासूचक बोर्ड, टाइल्स, फ्रागिंग मशीन, आंगनवाड़ी के लिये निम्न सामग्री, इण्टरलाकिंग, सामूहिक शौचालय निर्माण, खेलकूद मैदान, खेलकूद सामग्री, पंचायत भवन निर्माण, सुन्दरीकरण, कोविड १९ सिनेटाइजेशन, सफाई किट, ब्लीचिंग पाउडर, गोशाला निर्माण, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, तालाब इत्यादि कार्य हेतु सामग्री क्रय के लिये ग्राम पंचायत में सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिसे इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक २७.०४.२०२० से दिनांक ०१.०५.२०२० को अपरान्ह ४ बजे तक सीलबन्द निविदा ग्राम पंचायत के कार्यालय में जमा की जा सकती है जो ०२.०५.२०२० को अपरान्ह २ बजे खोली जायेगी। उक्त कार्य कराने हेतु ईंट, ईंट गिट्टी, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईंट, एस.ओ.बी. ईंट, सीमेण्ट, बालू, सरिया, लकड़ी/लोहे का दरवाजा, पेण्ट, विद्युतीकरण हेतु इलेक्ट्रिक सामग्री, शौचालय सेड इत्यादि की आवश्यकता होगी।

अतः ग्रामसभा/विकास खण्ड/जनपद के पंजीकृत आपूर्तिकर्ता उपरोक्त सामग्री आपूर्ति हेतु अपना दर प्रस्तुत करें।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लम्बाई	दर
१.	ईंट १५० एम.एम. प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईंट	प्रति हजार	
२.	सीमेण्ट	प्रति बैग	
३.	मोरंग बालू	प्रति घन मी.	
४.	महीन बालू	प्रति घन मी.	
५.	स्टोन ब्लास्ट २२.४ एम.एम. से ५३ एम.एम. (अलग-अलग)	प्रति घन मी.	
६.	ईंट गिट्टी २० एम.एम./४. एम.एम.	प्रति घन मी.	
७.	सरिया	प्रति कुन्तल	
८.	ह्यूम पाइप ३५० एम.एम. एन.पी. थ्री	प्रति नग	
९.	ह्यूम पाइप ६००/९०० एम.एम.	प्रति नग	
१०.	सोलर लाइट व स्ट्रीट लाइट	प्रति नग	
११.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
१२.	शौचालय सामग्री	प्रति नग	
१३.	पत्थर पटिया विभिन्न साइज	प्रति नग	
१४.	इण्डिया मार्का टू हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
१५.	चूना, पेण्ट इत्यादि	प्रति नग	
१६.	डेस्क, बेंच सहित अन्य सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	
१७.	कोरोना वायरस संक्रमण के बचाव से सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	

नियम एवं शर्तें- १- सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद की जायेगी। २- आवश्यकतानुसार सामग्री आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के आदेश पर ही की जायेगी, अन्यथा नहीं। ३- सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है। ४- सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। ५- सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा ५० रूपये के स्टाम्प पेपर पर बाण्ड भरना अनिवार्य होगा, तदोपरान्त आपूर्ति जारी किया जायेगा। ६- सामग्री आपूर्ति के बाद निर्माण समिति की स्वीकृति के बाद भुगतान किया जायेगा। ७- आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में, रजिस्ट्रेशन विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा आयकरदाता हो, प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। ८- प्रस्तुत दर पी.डब्ल्यू. डी. की स्वीकृत दर से अधिक न हो। ९- सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा की जानी अनिवार्य होगी। १०- सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। ११- निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार हथोहस्ताक्षरी का होगा।

सुरसत्ती देवी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत नेवादा
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

श्रीमती मीना रानी
ग्राम पंचायत/विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत नेवादा
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

पत्रांक-मेमो/ग्रा.पं./निविदा/२०२०-२१, दिनांक.....

कार्यालयः ग्राम पंचायत चौकिया, वि.खं. शाहगंज, जनपद जौनपुर

अल्पकालिक निविदा

वित्तीय वर्ष २०२०-२१ में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/१४वां वित्त एवं मनरेगा योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से नाली, खड़ंजा, पुलिया, आंगनवाड़ी केन्द्र, हैण्डपम्प मरम्मत, हैण्डपम्प रिबोर, सौर ऊर्जा स्थापना, पंचायत भवन मरम्मत/निर्माण, सोख्ता गड्ढा, विद्यालय की बाउण्ड्री निर्माण, ए.एन.एम. सेण्टर की बाउण्ड्रीवाल, विद्यालय का कायाकल्प, ग्रीन बोर्ड, डेस्क, बेंच, दिशासूचक बोर्ड, टाइल्स, फ्रागिंग मशीन, आंगनवाड़ी के लिये निम्न सामग्री, इण्टरलाकिंग, सामूहिक शौचालय निर्माण, खेलकूद मैदान, खेलकूद सामग्री, पंचायत भवन निर्माण, सुन्दरीकरण, कोविड १९ सिनेटाइजेशन, सफाई किट, ब्लीचिंग पाउडर, गोशाला निर्माण, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, तालाब इत्यादि कार्य हेतु सामग्री क्रय के लिये ग्राम पंचायत में सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिसे इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक २७.०४.२०२० से दिनांक ०१.०५.२०२० को अपरान्ह ४ बजे तक सीलबन्द निविदा ग्राम पंचायत के कार्यालय में जमा की जा सकती है जो ०२.०५.२०२० को अपरान्ह २ बजे खोली जायेगी। उक्त कार्य कराने हेतु ईंट, ईंट गिट्टी, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईंट, एस.ओ.बी. ईंट, सीमेण्ट, बालू, सरिया, लकड़ी/लोहे का दरवाजा, पेण्ट, विद्युतीकरण हेतु इलेक्ट्रिक सामग्री, शौचालय सेड इत्यादि की आवश्यकता होगी।

अतः ग्रामसभा/विकास खण्ड/जनपद के पंजीकृत आपूर्तिकर्ता उपरोक्त सामग्री आपूर्ति हेतु अपना दर प्रस्तुत करें।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लम्बाई	दर
१.	ईंट १५० एम.एम. प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईंट	प्रति हजार	
२.	सीमेण्ट	प्रति बैग	
३.	मोरंग बालू	प्रति घन मी.	
४.	महीन बालू	प्रति घन मी.	
५.	स्टोन ब्लास्ट २२.४ एम.एम. से ५३ एम.एम. (अलग-अलग)	प्रति घन मी.	
६.	ईंट गिट्टी २० एम.एम./४. एम.एम.	प्रति घन मी.	
७.	सरिया	प्रति कुन्तल	
८.	ह्यूम पाइप ३५० एम.एम. एन.पी. थ्री	प्रति नग	
९.	ह्यूम पाइप ६००/९०० एम.एम.	प्रति नग	
१०.	सोलर लाइट व स्ट्रीट लाइट	प्रति नग	
११.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
१२.	शौचालय सामग्री	प्रति नग	
१३.	पत्थर पटिया विभिन्न साइज	प्रति नग	
१४.	इण्डिया मार्का टू हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
१५.	चूना, पेण्ट इत्यादि	प्रति नग	
१६.	डेस्क, बेंच सहित अन्य सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	
१७.	कोरोना वायरस संक्रमण के बचाव से सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	

नियम एवं शर्तें- १- सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद की जायेगी। २- आवश्यकतानुसार सामग्री आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के आदेश पर ही की जायेगी, अन्यथा नहीं। ३- सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है। ४- सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। ५- सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा ५० रूपये के स्टाम्प पेपर पर बाण्ड भरना अनिवार्य होगा, तदोपरान्त आपूर्ति जारी किया जायेगा। ६- सामग्री आपूर्ति के बाद निर्माण समिति की स्वीकृति के बाद भुगतान किया जायेगा। ७- आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में, रजिस्ट्रेशन विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा आयकरदाता हो, प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। ८- प्रस्तुत दर पी.डब्ल्यू. डी. की स्वीकृत दर से अधिक न हो। ९- सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा की जानी अनिवार्य होगी। १०- सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। ११- निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार हथोहस्ताक्षरी का होगा।

रियाजुल हक
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत चौकिया
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

नरेन्द्र कुमार
ग्राम पंचायत/विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत चौकिया
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

पत्रांक-मेमो/ग्रा.पं./निविदा/२०२०-२१, दिनांक.....

कार्यालयः ग्राम पंचायत मवई, वि.खं. शाहगंज, जनपद जौनपुर

अल्पकालिक निविदा

वित्तीय वर्ष २०२०-२१ में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/१४वां वित्त एवं मनरेगा योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से नाली, खड़ंजा, पुलिया, आंगनवाड़ी केन्द्र, हैण्डपम्प मरम्मत, हैण्डपम्प रिबोर, सौर ऊर्जा स्थापना, पंचायत भवन मरम्मत/निर्माण, सोख्ता गड्ढा, विद्यालय की बाउण्ड्री निर्माण, ए.एन.एम. सेण्टर की बाउण्ड्रीवाल, विद्यालय का कायाकल्प, ग्रीन बोर्ड, डेस्क, बेंच, दिशासूचक बोर्ड, टाइल्स, फ्रागिंग मशीन, आंगनवाड़ी के लिये निम्न सामग्री, इण्टरलाकिंग, सामूहिक शौचालय निर्माण, खेलकूद मैदान, खेलकूद सामग्री, पंचायत भवन निर्माण, सुन्दरीकरण, कोविड १९ सिनेटाइजेशन, सफाई किट, ब्लीचिंग पाउडर, गोशाला निर्माण, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, तालाब इत्यादि कार्य हेतु सामग्री क्रय के लिये ग्राम पंचायत में सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिसे इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक २७.०४.२०२० से दिनांक ०१.०५.२०२० को अपरान्ह ४ बजे तक सीलबन्द निविदा ग्राम पंचायत के कार्यालय में जमा की जा सकती है जो ०२.०५.२०२० को अपरान्ह २ बजे खोली जायेगी। उक्त कार्य कराने हेतु ईंट, ईंट गिट्टी, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईंट, एस.ओ.बी. ईंट, सीमेण्ट, बालू, सरिया, लकड़ी/लोहे का दरवाजा, पेण्ट, विद्युतीकरण हेतु इलेक्ट्रिक सामग्री, शौचालय सेड इत्यादि की आवश्यकता होगी।

अतः ग्रामसभा/विकास खण्ड/जनपद के पंजीकृत आपूर्तिकर्ता उपरोक्त सामग्री आपूर्ति हेतु अपना दर प्रस्तुत करें।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लम्बाई	दर
१.	ईंट १५० एम.एम. प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईंट	प्रति हजार	
२.	सीमेण्ट	प्रति बैग	
३.	मोरंग बालू	प्रति घन मी.	
४.	महीन बालू	प्रति घन मी.	
५.	स्टोन ब्लास्ट २२.४ एम.एम. से ५३ एम.एम. (अलग-अलग)	प्रति घन मी.	
६.	ईंट गिट्टी २० एम.एम./४. एम.एम.	प्रति घन मी.	
७.	सरिया	प्रति कुन्तल	
८.	ह्यूम पाइप ३५० एम.एम. एन.पी. थ्री	प्रति नग	
९.	ह्यूम पाइप ६००/९०० एम.एम.	प्रति नग	
१०.	सोलर लाइट व स्ट्रीट लाइट	प्रति नग	
११.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
१२.	शौचालय सामग्री	प्रति नग	
१३.	पत्थर पटिया विभिन्न साइज	प्रति नग	
१४.	इण्डिया मार्का टू हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
१५.	चूना, पेण्ट इत्यादि	प्रति नग	
१६.	डेस्क, बेंच सहित अन्य सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	
१७.	कोरोना वायरस संक्रमण के बचाव से सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	

नियम एवं शर्तें- १- सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद की जायेगी। २- आवश्यकतानुसार सामग्री आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के आदेश पर ही की जायेगी, अन्यथा नहीं। ३- सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है। ४- सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। ५- सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा ५० रूपये के स्टाम्प पेपर पर बाण्ड भरना अनिवार्य होगा, तदोपरान्त आपूर्ति जारी किया जायेगा। ६- सामग्री आपूर्ति के बाद निर्माण समिति की स्वीकृति के बाद भुगतान किया जायेगा। ७- आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में, रजिस्ट्रेशन विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा आयकरदाता हो, प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। ८- प्रस्तुत दर पी.डब्ल्यू. डी. की स्वीकृत दर से अधिक न हो। ९- सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा की जानी अनिवार्य होगी। १०- सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। ११- निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार हथोहस्ताक्षरी का होगा।

श्रीमती केवलपत्ती
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत मवई
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

नरेन्द्र कुमार
ग्राम पंचायत/विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत मवई
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

पत्रांक-मेमो/ग्रा.पं./निविदा/२०२०-२१, दिनांक.....

अमृतवाणी

गृह कलह राजा को भी ले डूबती है। --सुभाषित

चीन को बेपर्दा करने की कोशिश

किसी देश की गलती पूरी दुनिया भुगते यह उस देश का अपराध है। इस विषय पर पिछले दिनों अंतरराष्ट्रीय संस्था रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने एक तरह से जनमत जुटाने की कोशिश की। उसका यह कदम सही है, लेकिन तब जब दुनिया भी इस विषय पर गम्भीरता से विचार करे और प्रत्युत्तर में कार्रवाई करने के निर्णय के स्तर तक पहुंचे। लेकिन यदि वह इसके विपरीत उस देश को मसीहा की तरह से देखने या अपनाने के लिए विवश दिखे तो इसे क्या नाम दिया जाए-पाप, अन्याय अथवा भय? यदि कोई अंतरराष्ट्रीय संस्था ऐसे देश को अपराध की सीमा से परे जाकर रणनीतिक विजेता का खिताब प्रदान कर दे, तो उसके लिए फिर कौन सा विशेषण प्रयुक्त होना चाहिए? लेकिन हम तो यह प्रश्न कर ही सकते हैं कि क्या यह उच्च स्तरीय डिप्लोमैसी है या फिर षड़्यंत्र? एक प्रश्न यह भी है कि जवाब कौन देगा? वह जिस पर आरोप लगाया जा रहा है अथवा वह जो खामियाजा भुगत रहे हैं? शायद एक भी नहीं, बल्कि इसे विपरीत दोनों ही सवाल पूछने वाले की गर्दन में फंदा डालने के लिए एक अवधारणा विकसित करेंगे और फिर उसे दोषी बताकर या तो खत्म कर देंगे अथवा महत्वहीन करार दे देंगे। अभी तो यह बात चीन के विषय में कही जा रही है लेकिन इसकी परिधियों इससे कहीं बहुत ज्यादा विस्तृत हैं। लेकिन वैश्विक शक्ति के संचालकों और अंतरराष्ट्रीय गेम प्लेयरों की सेहत पर भी इसका कोई असर पड़ेगा?रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (आरएसएफ) नामक संस्था प्रेस की स्वतंत्रता सम्बंधी इंडेक्स तैयार करते समय यह पूछ रही है कि क्या दुनिया चीन की गलती की सजा भुगत रही है? क्या कोरोना वायरस पर चीन ने सूचनाएं छिपाई हैं? क्या उसने प्रेस को रोका है? और इसी वजह से आज पूरी दुनिया इस आपदा का शिकार हुई है? हालांकि इस संस्था ने तो एक दृष्टि से अपना फैसला सुना दिया है क्योंकि उसने प्रेस की स्वतंत्रता के हालात पर दुनिया का जो मानचित्र जारी किया है और प्रेस की प्रास्थिति के हिसाब से देशों और क्षेत्रों को अलग-अलग रंगों से दर्शाया गया है। ये रंग हैं- सफेद, पीला, गाढ़ा पीला, लाल और काला। अगर नार्डिक देशों को छोड़ दें तो कोई भी देश सफेद रंग का प्रदर्शन नहीं करता इसलिए हम यह मानकर चल सकते हैं कि प्रेस स्वतंत्र हैसियत के मामले में एक्सीलेंट इन देशों के अतिरिक्त और कहीं नहीं है। अधिकांश क्षेत्र लाल रंग से दर्शाया गया है जिसका मतलब है कि ये देश की प्रेस की स्वतंत्रता की दृष्टि श्खराबश् स्थिति वाले हैं। लेकिन चीन को काले रंग से दिखाया गया है, जिसका मतलब है कि चीन में हालात श्बेहद खराबश् हैं। मुझे लगता है कि चीन में प्रेस की हैसियत के बारे में जो भी इस संस्था का अध्ययन है, उस पर किसी को कोई संशय नहीं है लेकिन उसकी वैश्विक औसत हैसियत भी कोई अच्छी नहीं है यह चिंता का विषय अवश्य होना चाहिए। रही बात चीन की तो वह वही जानकारी प्रेस के जरिए देता है जो वह देना चाहता है। उदाहरण के तौर पर 11 मार्च, 2020 को जब विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोविड-19 को महामारी घोषित किया तो उस दिन चीन ने वीचौट जैसे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और समाचार देने वाले एप्स पर इस वायरस से जुड़े बहुत सारे कीवर्ड्स को सेंसर कर दिया ताकि लोग इस बारे में ऑनलाइन बात ना कर सकें। यही नहीं, दिसम्बर 2019 में वुहान में जब कुछ डॉक्टर्स ने इस वायरस के बारे में बताना चाहा तो प्रशासन ने न सिर्फ उन्हें रोका बल्कि उन्हें अफवाहें फैलाने के आरोप में प्रताडित़ भी किया। बाद में इन्हीं में से एक डॉ. ली वेनलियांग की इसी कोरोना वायरस से मौत हो गई। चीन के सरकारी अखबारों, जैसे- पीपुल्स डेली, चाइना डेली अथवा ग्लोबल टाइम्स आदि, वुहान में मरते हुए लोगों की तकलीकों और स्थितियों की जानकारी देने की बजाय कम्युनिस्ट पार्टी के प्रोपेगंडा के प्रचार में लगे रहे। उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मसीहाई तस्वीरें तो दिखाईं लेकिन तड़पते हुए लोगों के बारे में कुछ भी नहीं बताया। कुछ समय बाद ही हांगकांग से छियान ने अपने एक लेख में लिखा कि, पिछले दो महीने से चीन एक बड़े स्वास्थ्य संकट से गुजर रहा है और बहस हो रही है कि क्या शुरुआती चरण में जानकारी को छिपाया जाना इसकी एक वजह है। वहीं पीपुल्स डेली को देखकर लगता है कि उसे कुछ सुनाई ही नहीं दे रहा है। इसका मतलब तो यही हुआ कि चीन ने जानबूझ कर, न कि अनजाने या लापरवाही में, पूरी दुनिया को खतरे में डालने का काम किया। फिर तो यह उसका अक्षम्य अपराध हुआ? अगर कुछ अध्ययनों पर ध्यान दें तो यह बात निकलकर आती है कि चीन की कम्युनिष्ट पार्टी और शासक चूंकि इस हैसियत में है कि जानकारी देने वाले स्रोतों को रोक सकते हैं और यह तय कर सकते हैं कि कौन सी तथा कितनी जानकारी बाहर जानी चाहिए या कौन सी नहीं। इसके बाद उनकी कोशिश होती है कि वे प्रत्येक स्थिति में यह सुनिश्चित करें कि अफ्रीका में टीवी पर क्या दिखाया जाएगा क्या नहीं। लोग क्या शेयर करें और क्या नहीं। ऐसा नहीं कि यह काम अकेले चीन ने किया है यह काम तो अमेरिका और पश्चिमी दुनिया के कई देश करते रहे हैं। अमेरिकी मिलिट्री इण्डस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स और पेंटागन तो स्वयं यह तय करते रहे हैं।

लॉकडाउन के दौरान जिलों के भीतर और अंतरजिलों में गतिशीलता

कोविड-19 से संक्रमित मामलों और प्रतिदिन होने वाली मौतों की संख्या में वृद्धि हो रही है। फिर भी संतोष करने वाली बात यह है कि भारत दुनिया के उन देशों में से एक है जहां प्रति मिलियन लोगों में कोरोना संक्रमण की दर सबसे कम है। अभी भी लगभग 50 प्रतिशत जिलों और 70 प्रतिशत तालुकों में एक भी कोरोना संक्रमण का मामला दर्ज नहीं हुआ है। साथ ही, सामाजिक-आर्थिक आधार पर अत्यधिक पिछड़े क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किए गए तालुका और गांवों में कोरोना संक्रमण के मामले उन तालुका और गांवों से अधिक नहीं है जिन्हें विकसित क्षेत्रों की श्रेणी में रखा गया है। फिर भी इस बात को वस्तुतरू आत्मसंतोष का झूठा भाव नहीं देना चाहिए क्योंकि अभाव का कष्ट संक्रामक नहीं है लेकिन कोरोना विनाशकारी है। सरकार न केवल महामारी से होने वाली मौतों से लोगों को बचाने, बल्कि लॉकडाउन की बजह से पैदा हुए आर्थिक आपातकाल से निपटने के उपाय भी कर रही है। प्रभावित लोगों के मामले में राज्य सरकारों की प्राथमिकता यह है कि आर्थिक रूप से कमजोर आबादी की पहचान कर उन्हें भोजन, राशन, पेंशन और अन्य नकद हस्तांतरण जैसे आपातकालीन लाभ प्रदान किए जा सकें। ग्रामीण संदर्भ में, रबी फसलों की कटाई और इनकी बिक्री पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए तथा दूरस्थ क्षेत्रों से पशुपालन, वानिकी और पोल्ट्री प्रोडक्ट्स आदि का उत्पादन बनाए रखना चाहिए ताकि लोगों की क्रय शक्ति को बनाकर रखा जा सके।निर्माण और औद्योगिक गतिविधियों को सहयोग की आवश्यकता है जिन्हें 20 अप्रैल से कुछ शर्तों के साथ शुरू किया गया है। अंतर-औद्योगिक और मार्केटिंग लिंकेज को देखते हुए, जब तक अंतर-जिला और अंतरराज्यीय संचार को एक सीमित सीमा तक अनलॉक नहीं किया जाता तब तक उपरोक्त को पूरा करना मुश्किल होगा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए, जिसमें रबी की फसल की बिक्री और खरीफ की बुवाई भी शामिल है, आसान बनाने के लिये वस्तुओं की आवाजाही की सुविधा होनी चाहिए। महत्वपूर्ण बात यह है कि सुरक्षा प्रोटोकॉल पर समझौता किए बिना और श्रमिकों की आवाजाही की सुविधा दिये बिना यह व्यवस्था नहीं बनाई जा सकती। यह बताना उचित है कि इस वर्ष बागवानी उत्पादन 313 मिलियन टन और गेहूं उत्पादन 109 मिलियन टन होने का अनुमान है जो पिछले वर्ष के उत्पादन से अधिक है। अगर मंडियों को तुरंत नहीं खोला गया तो गेहूं की कीमतें काफी नीचे गिर जाएंगी। यदि अंतर-राज्यीय और राज्यांतरिक के परिवहन की प्रभावी व्यवस्था नहीं बनाई गई तो बागवानी उत्पाद के मामले में भी यही होगा। हम अंतरराज्यीय प्रवासियों की कठिनाई के साथ शुरू कर सकते हैं, जो बेरोजगार हो गए हैं और कुछ बड़े शहरों जैसे महाराष्ट्र, दिल्ली, केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक आदि में केंद्रित हैं। यह सच है कि केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा उन्हें कुछ सुविधाएं प्रदान की गई हैं, लेकिन ये पर्याप्त नहीं हैं। इसमें और सुधार की आवश्यकता है और भविष्य में या निकट भविष्य में उन्हें आजीविका प्रदान करने का प्रयास किया जाना चाहिए ताकि वे वापस न जाने का विकल्प चुन सकें। इन प्रवासियों में से अधिकांश के लिए, हालांकि, कोविद-19 एक शहरी विपत्ति है, जिससे बचने के लिए लोग सैकड़ों किलोमीटर भूखे-प्यासे रहकर पैदल अपने शरणस्थल या घर तक पहुंचना चाहते हैं। दूसरी ओर, कोविद के बारे में जनता की सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता उन्माद के साथ है, जो वर्तमान समय की विशेषता है। बिना परीक्षण के, शिक्षित लोगो्ंय के द्वारा भी किसी भी व्यक्ति को अछूत समझा जा रहा है, कोई भी व्यक्ति किसी अजनबी से मदद की उम्मीद नहीं कर सकता। इन परिस्थितियों में, अंतर क्षेत्रीय यात्रा के लिए एक सुरक्षित और प्रबंधनीय प्रोटोकॉल आवश्यक है। इन मुश्किलों के कारण प्रवासियों में से एक बड़ा वर्ग कृषि गतिविधियों के लिए कम से कम कुछ महीनों के लिए अपने गांव वापस जाना चाहता है।मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में कार्य करने वाली एक गैरसरकारी संस्था द्वारा बड़वानी एवं सरगुजा जैसे सुदूर आदिवासी जिलों में जमीनी स्तर पर एक त्वरित सर्वे कर महानगरों से वापिस आने वाले प्रवासियों का आंकलन किया। इस आंकलन के अनुसार प्रति जिला वापिस आने वाले प्रवासियों की औसत संख्या लगभग 2000 है। यदि बाहर फंसे इन जिलों के प्रवासी नागरिकों को वापिस आने का विकल्प दिया जाए तो बड़ी संख्या में लोग वापिस आना चाह रहे हैं। दिल्ली से 600 किमी की दूरी पर स्थित मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के लगभग 25000 प्रवासी कुछ दूरी तक वाहन की सहायता से और शेष दूरी पैदल चलकर घर पहुंचे हैं। निरूसंदेह, उनको अपने गांवों में वापिस लाने में जोखिम है, यात्रा के दौरान संक्रमित होने या प्रभावित होने पर उन्हें उचित चिकित्सा एवं देखभाल सुविधा न मिल पाने की चिंतायें भी हैं। सवाल यह है कि क्या उन्हें जोखिम के साथ वर्तमान स्थिति में रखना उचित है, अनियोजित तरीके से उन्हें बड़े स्थानों पर रखना, उनको भोजन उपलब्ध कराना और राहत के तौर पर धन मुहैया कराने का तरीका, जो भारी भीड़ बढ़ाता है, कोई कम जोखिम भरा नहीं है। इसके अलावा मजदूरों की कमी के कारण रबी फसल की कटाई और विपणन न होने के फलस्वरूप ग्रामीण कृषि अर्थव्यवस्था को भी नुकसान पहुंच रहा है। क्या यह संभव नहीं है कि जिन जिलों में कोरोना का प्रभाव नहीं है उन जिलों के प्रवासियों को मेडिकल परीक्षण के बाद ट्रेनों, बसों और अन्य वाहनों द्वारा सुरक्षित रूप से घर पहुंचाया जा सके? क्या केंद्र सरकार उन्हें अपने वर्तमान प्रवास स्थानों जैसे उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान, ओडिशा इत्यादि राज्यों में चरणबद्ध तरीके से 8 से 10 ट्रांसशिपमेंट पॉइंट्स (वाहन बदलने का स्थान) से निर्धारित मार्गों से पहुंचा सकती है। एक मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया जा सकता है जिसमें प्रवासी अपने गंतव्य स्थान का नाम, निकटतम रेलवे स्टेशन, जिला एवं ब्लॉक का विवरण आदि जानकारी भरेगा। इस जानकारी के आकलन के आधार पर तारीख, समय, बस, ट्रेन या कार के विवरण सहित ई-परमिट जारी किया जा सकता है। आईआरसीटीसी और बस बुकिंग व्यवस्था के साफ्टवेयर में आवश्यक बदलाव के साथ इस प्रक्रिया को आसानी से लागू किया जा सकता है और बड़ी मात्रा में गैराज में खड़ी बसों और यात्री ट्रेनों का उपयोग उन्हें घर पहुंचाने के लिए किया जा सकता है। प्रत्येक प्रवासी यात्री को एक कोविड हेल्थ कार्ड जारी किया जाये, जिसमें आधार कार्ड नंबर या किसी अन्य पहचान पत्र का विवरण होना आवश्यक है। यात्रा प्रारम्भ करने से पहले स्वास्थ्य जांच की जाये और जांच रिपोर्ट के परिणाम कार्ड में दर्ज किये जायें। राज्य एवं जिला मुख्यालय के अधिकारी प्रवासी मजदूरों के आगे की यात्रा की योजना बना सकते हैं, जहां पहुंचने पर उनकी फिर से स्वास्थ्य जांच की जा सकती है। इस व्यवस्था को बनाने में राज्य स्तर पर वित्तीय कठिनाइयों को देखते हुए, केंद्र सरकार को आवश्यकतानुसार राज्यों को सहयोग करना होगा। लक्षण, यात्रा विवरण, धंधा आदि के आधार पर प्रवासियों को कई श्रेणियों में बांटा जा सकता है और 5 से 15 दिनों की अवधि के लिए उन्हें संगरोध (चरेंटाइन) किया जा सकता है। स्कूलों, कॉलेजों, छात्रावासों, खाली पड़े भवनों आदि को प्रवासियों को चरेंटाइन करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। यदि प्रवासी में कोरोना संक्रमण के कोई लक्षण नहीं है तो आधार कार्ड के साथ दिये गये स्वास्थ्य प्रमाण पत्र पर अनुमति देकर गांव जाने दिया जाये, हालांकि पंचायत को ऐसे व्यक्तियों के निगरानी करनी पड़ेगी। संदिग्ध मामलों को इलाज के लिए राज्य के सुविधायुक्त शहरों के अस्पतालों में भेजा जा सकता है। चरेंटाइन अवधि पूरी करने के बाद, लोगों को उनके गांव जाने की अनुमति दी जा सकती है। उनका नाम, पता और मोबाइल नंबर सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों की एजेंसियों को भेजे जा सकते हैं। रोजगार हेतु इच्छुक प्रवासियों के अनुरोध के आधार पर, जिले के अंदर यात्रा के लिए ई-परमिट जारी किया जा सकता है। परमिट जारी करने के लिए कुछ शुल्क भी लिया जा सकता है जिसका उपयोग सार्वजनिक और निजी दोनों एजेंसियों द्वारा आयोजित परिवहन प्रणाली को सब्सिडी देने के लिए किया जा सकता है। लौटे हुए प्रवासियों के स्वास्थ्य कार्ड में दर्ज विवरण नियोक्ताओं को बिना किसी हिचकिचाहट के मजदूरों की सेवाएं लेने के लिए प्रोत्साहित करेगा, इसके अलावा गांवों के स्तर पर भी संदेह, भय, संघर्ष और हिंसा के माहौल को ठीक करने में मदद मिलेगी। पहले ग्रामीण कृषि अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से पटरी पर वापस लाने की आवश्यकता है।

चीन की हर गतिविधियों पर रखनी होगी नजर

वुहान का सच छुपाकर पूरी मानवता को लम्बे खतरे में डालने वाले चीन ने भारत के साथ अपनी चालबाजी जारी रखी है। चीन द्वारा इस आपातकाल में भारत को जो 6.5 लाख रैपिंड टैस्ट किट भेजी गई है वह गुणवत्ता विहीन है। यही नही इसके पूर्व इसके द्वारा कई अन्य राष्ट्रों में भेजे गए मास्क को लेकर यह तथ्य सामने आया था उक्त मास्क महिलाओं के उपयोग किए गए कपड़ों से बनाए गए है। यानि चायना इस आपदा की घड़ी में अपनी चालबाजी से बाज नही आ रहा है। हालांकि उसकी इन चालबाजियों के खिलाफ अमरीका सहित कई देशों ने मोर्चा खोल दिया है। इससे चीन सरकार बौखला भी रही है। अप्रत्यक्ष रूप से वह धमकी भी दे रही है। चायना सरकार विश्व के अलग अलग देशों से किये जा रहे सवाल का सुस्पष्ट जबाब न देकर गोलमाल जबाब दे रहा है। जबकि चायना के बुहान से शुरू हुआ यह मौत का खेल रूकने की बजाए पूरे विश्व में बढ़ता ही जा रहा है। कोरोनावायरस महामारी को लेकर अब चीन पर दुनिया के देशों का दबाव बढ़ाना शुरू हो गया है। अमेरिका के बाद ऑस्ट्रेलिया ने भी कोरोना महामारी से निपटने में चीन की भूमिका को लेकर सवाल उठाए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने कोरोनावायरस के नियंत्रण और रोकथाम में चीन की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए वायरस के उत्पन्न होने और फैलने को लेकर एक स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय जांच की मांग कर चुका है। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री मैरिस पाइन के मुताबिक चीन की पारदर्शिता को लेकर उनकी चिंता बहुत महत्वपूर्ण है। देश वैश्विक महामारी को लेकर जांच चाहता है जिसमें वुहान में कोरोना के पहले मामले आने के बाद चीन के रेस्पॉन्स की भी जांच होनी चाहिए। निश्चित तौर पर विश्व में सर्व शक्तिशाली बनने की चाहत में चीन लगातार मानवता विरोधी मानसिकता का परिचय देता आ रहा है। चीन के वुहान के वेट मार्केट से शुरू हुआ कोरोनावायरस दुनिया में कहर मचा रहा है. अब तक 26 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं जबकि एक लाख 1,82,770 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। ऐसे में वायरस की उत्तपत्ति और रोकथाम को लेकर चीन के उठाए गए कदमों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी सवाल कर चुके हैं। अमरीका जैसा शक्तिशाली देश इस हमले से इतना घबराया हुआ है कि कोरोना महामारी को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीन के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन को कठघरे में खड़ा कर चुके है। ट्रंप ने चीन पर बीमारी को लेकर गलत और भ्रामक जानकारियां देने और चीन पर कोरोना के संक्रमण के खतरे की गंभीरता को छुपाने का आरोप लगा चुके है। ट्रंप तो डब्लूएचओं की भूमिका पर सवाल उठाते हुए उसकी फंडिंग रोक दी है। ट्रंप ने आरोप लगाया है कि चीन ने अपने देश में हुई मौत के आंकड़ों के दुनिया से छुपाया है। ट्रंप तो चीन को धमकी दे चुके है कि अगर यह पाया गया कि चीन कोरोना महामारी फैलाने के लिए जिम्मेदार है और उसे इसकी जानकारी थी तो गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। चीन पर कोरोनावायरस को लेकर चौतरफा दबाव बनता जा रहा है. इससे पहले ब्रिटेन और फ्रांस ने भी कोरोनावायरस को लेकर चीन की पारदर्शिता पर सवाल उठाया है। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डॉमनिक राब ने कड़े शब्दों में कहा कि चीन को बताना होगा कि कोरोना महामारी कैसे फैली और उसे रोकने की क्या कोशिश हुई ? जबकि फाइनेंशियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैन्युल मैक्रों ने चीन के दावों पर संदेह जताते हुए कहा कि चीन में कोरोना से निपटने में ऐसा बहुत कुछ हुआ है जिसकी जानकारी किसी को नहीं है। हालांकि चीन लगातार आरोपों से इनकार कर रहा है कि लेकिन वुहान में हुई मौतों के आंकड़ों में संशोधन के बाद से दुनिया चीन को शक की निगाह से देखने लगी है। अब ऐसी स्थिति में भारत के सामने यक्ष प्रश्न उस समय खड़ा हो गया जब विपदा के समय चीन ने भारत को जो रैपिड टेस्टिग किट के फेल साबित हुई। पूरे विश्व के साथ भारत को ऐसे में चीन की हर अगली गतिविधियों पर नजर रखनी होगी। ज्ञात हो कि अमेरिका की बर्कले यूनिवर्सिटी में शोध कर रहे एक चीनी वैज्ञानिक को चीन द्वारा इस वायरस के संबंध में विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ को दी गई रिपोर्टों की जांच में कुछ गड़बडिय़ां मिलीं। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी वक्तव्यों में वही बात कही जा रही थी, जो चीन कह रहा था। संगठन द्वारा बार-बार चीनी वक्तव्यों को दोहराते देख शुरू में तो उसे कुछ अजीब-सा लगा। अब हमें पता चल गया है कि यह बयान पूरी तरह गलत था। इस विश्वव्यापी महामारी ने दुनिया भर में अभूतपूर्व लॉकडाउन कराया है और अब तक इससे डेढ़ लाख से भी अधिक लोग मर चुके हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था भारी संकट में है। ऐसे में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब इसके लिए सारा दोष विश्व स्वास्थ्य संगठन पर मढ़ दिया है। यह कुछसीमा तक सही भी है, क्योकि यह एक विश्व विख्यात संस्था के साख का मामला था। इस विरोध के बाद 20 जनवरी को पहली बार चीनी अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से यह माना कि कोरोना वायरस मानवों में भी फैल सकता है। उसके कुछ ही दिनों बाद वुहान में लॉकडाउन कर दिया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। इस संक्रमण का जो स्वरूप दिखाई दे रहा है उसके बाद यही कहा जाएगा कि कुछ भी हो, यदि चीन ने जान-बूझकर इस समस्या पर परदा डाले रखा, तो इसे विश्व स्वास्थ्य संगठन की गलती नहीं कह सकते। बेशक हम संगठन के सदस्य देशों से पारदर्शिता का व्यवहार चाहते हैं, लेकिन यदि कोई सदस्य किसी कारण ऐसा नहीं करता है, तो यह पता लगाना असंभव भले न हो, मुश्किल अवश्य है, और इस संबंध में विश्व स्वास्थ्य संगठन कुछ नहीं कर सकता। विश्व स्वास्थ्य संगठन की कमजोरी यही है कि सूचनाओं के लिए वह सदस्य देशों पर निर्भर है। उसकी जो टीम फरवरी में जांच के लिए चीन गई थी, उसने यही किया। संगठन के महानिदेशक का यह भी कहना है कि वह सदस्य देश को नाराज नहीं करना चाहता, जो चीन के साथ-साथ तमाम देशों के संबंध में सच है। बुहान के सच छुपाने के बाद अन्य देशों को चीन द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले घटिया मास्क और रैपिड टेस्टिंग किटों केव्यापार के बाद इतना तय है कि अब भारत ही नही पूरे विश्व को चीन की हर गतिविधियों पर नजर रखनी होगी। इसलिए जरूरत अब इस बात की है कि चीन में जो कुछ हुआ, उसकी पूरी जांच की जाए।

कोरोना की त्रासदी, लॉक डाउन और हमारा समय

कोराना वायरस की सूचना दिसंबर, 2019 में पहली बार सामने आई थी। फिर उसकी भयावहता के चरण धीरे-धीरे बढ़े और एक समय वह आया जब समूचे भूमंडल में उसका कोहराम छा गया। यह भी देखने में आया कि कोई वैभव, ऐश्वर्य और सत्ता, पैसा-रुपया किसी भी तरह काम नहीं आया। धार्मिकता से ओतप्रोत मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे, चर्चय जिनका विराट वैभव लोगों के दिलों में रहा है, वे भी सहम गए। हमारे सामाजिक साहचर्य और संपर्क की विविधताएं सिमटने लगे। कोराना वायरस का कहर, भय उसके मूल में था। हम सभी जान लें कि धर्म हमारी व्यक्तिगत आस्था की चीज है। वह न तो कोई वैभव है, न प्रदर्शन, न कोई विशेष प्रकार की दुनिया। पहली बार शिद्दत के साथ प्रकट हुआ कि मानवता से बढ़कर कोई धर्म नहींय आस्था का कोई मरकज नहींय समाज-सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं। यह सिद्धांतों में खूब कहा गया। उसका आदर्श लोक भी रहाय लेकिन वह हमारे जीवन-व्यवहार में प्रकट नहीं हुआ। यह भी साबित हुआ कि हम क्षुद्र स्वार्थों की खोहों में घूम रहे हैं और अहंकार के अंधलोक में टनटना रहे हैं। हमारे धर्म, मजहब में जो कर्तव्यबोध और आचरण संसूचित किए गए हैं, उन्हें हमने अपनी जड़ताओं से पाट दिया है। स्वार्थों के झंझावात में हमारी भक्ति के उस रसायन को नफरत, विद्वेष और अनैतिकता के शिलाखंडों में बदल दिया गया। हमारी सामाजिक संरचनाओं में बहुत तेजी के साथ परिवर्तन आए। यही नहीं, भक्ति के अर्थ-संबंध भी बदल गए। जब परिवर्तन घटित होते हैं तो वे सामाजिक संरचना को तो बदलते ही हैं, हमारी धर्म-संरचना को बाहर भी परिवर्तित करते हैं और भीतर भी। आपदा है या महामारी है, मैं इसे भीषण त्रासदी के रूप में देखता हूं। जो अपने को शक्तिशाली मानते थे, वे घुटनों-घुटनों आ गए। अपने बचाने के लिए वे एक भयावह युद्ध-युद्ध चिल्ला रहे हैं। वह इसलिए कि उनकी शक्तिशाली लीलाएं ढीली और बेकार हो गई हैं। विकास के नारे लगाते-लगाते, बंकर ध्वंस करने वाली स्मार्ट सिटी, बुलेट प्रुफ की गुहार लगाते-लगाते वे स्वयं निरीह हो गए। सच मानिए, अस्पतालों में इक्विपमेंट की बेहद कमी, लॉकडाउन के दौर में जितना इंतजाम किया गया, वह अपर्याप्त साबित हुआ। अफरा-तफरी, भागम-भाग, भूख-प्यास, रहने के बंदोबस्त व्यापक जीवनचर्या की ठोस कार्रवाई की मांग करते हैं। क्या हुआ, समूचा गर्जन-तर्जन कम हुआ है। आरोप-प्रत्यारोप की मात्रा बहुत तेज गति से बढ़ी है। कहा जा रहा है, नफरत का खेल मत खेलिएय जो अपराधी हैं उन्हें दंडित किया जाएगा। क्यों, अमेरिका का गुमान टूट गया! सबका भ्रम चकनाचूर है। जो घर जाने के लिए बेचौन हैं, उनके पास कुछ दिनों के लिए भी इंतजाम नहीं है। बहुत सारे लोग हैंय जिनके खान-पान और परिवहन के साधन हैं, कपड़े-लत्ते हैं, फिर भी बेबस हैं। इस महामारी में लॉकडाउन के साथ सोशल डिस्टेंस भी चाहिए। गरीब को क्या चाहिए, खाने रहने की थोड़ी सुविधाएं। रहीम का एक दोहा याद आ रहा हैकृ श्चाह गई, चिंता मिटी, मनुआ बेपरवाहध्जिनको कछु न चाहिए, वे साहन के साह। हमारे लोक में, जीवन में सामाजिक-सांस्कृतिक सुरक्षा हेतु कुलदेवी, कुलदेवता के नए-नए सांचे भी बने। हम अपने जीवन में आश्वस्ति चाहते हैंय सबका कल्याण चाहते हैं। इसलिए इस तरह की तमाम चीजें तलाशकर निश्चिंत होने की ख्वाहिश रखते हैं। हमारी सामाजिक जरूरतें निरंतर समय-समय पर बदलते हुए अपनी कार्रवाई करती हैं। इस परिवर्तन-यात्रा में कितना पानी बह चुका है! सामाजिक संरचना और उसके मूल स्वरूपों में परिवर्तन घटित हुए तो धर्म-संरचनाओं में भी जटिलताएं पनपीं और स्वार्थी तत्वों ने उन्हें अपने लाभ-लोभ के लिए मनुष्यता को बार-बार रौंदा। हमारी धार्मिक भावनाओं में यदि विवेक न हो तो स्वार्थी तत्व आस्था के नाम पर कितने आवरणों में छिपकर तहस-नहस करते हैं। गालिब का एक शेर इस दुर्दांत समय और महत्वाकांक्षाओं में बार-बार सामाजिक-सांस्कृतिक विकास और मनुष्यता को खंडित करता हैय हमारी आत्मा को तोड़ता है और स्वार्थ के भयावह रूप रचता हैकृ श्उम्र भर गालिब भूल ये करता रहाध्धूल चेहरे में थी, साफ आईना करता रहा। प्रश्न है कि हम किसको क्या कहें। हम मंदिर, मस्जाद और गुरुद्वारे में उलझे रहेय हम हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई समाज के संदर्भों को उछालते रहेय जनता को इन टोनों-टोटकों में उलझाए रहे और स्वार्थ की सुरंग खोदते रहे। हमारे जीवन के, समाज के असली मुद्दे ध्वस्त होते रहे। देश में ही नहीं, समूची दुनिया मानवता के असली रास्ते से भटकती रही और हम राजनीतिक परिदृश्य को, जनकल्याण को ध्वस्त करने में तल्लीन रहे। कोराना वायरस की महामारी से चारों ओर से घिरकर अपाहिज होने और किंकर्तव्यविमूढ़ होने के बाद जब समझ आया कि हमें कोई नहीं बचा सकता तब हमारा ध्यान स्वास्थ्य संस्थान सेवाओं, सुविधाओं की तरफ गया। कालांतर में सरकारी अस्पताल संस्थान, डॉक्टर, नर्स, सफाई अमले, पुलिस, फौज की तरफ गया। जिनको हम महत्वहीन मानते थे, उनसे ही हमारे जीवन-कल्याण के तमाम रास्ते खुलते नजर आए। कोरोना का मुकाबला करने के लिए हमारे देश और दुनिया कोई दवा नहींय कोई खास इच्पिमेंट नहीं। हम तो राजनीतिक रोटियां सेंक रहे थेय सरकारें बना बिगाड़ रहे थे। जो पैसा हमने विशालकाय, भारी भरकम मूर्तियां गढ़ने में, राजनीति चमकाने में लगाया था, काश स्वास्थ्य संस्थान ठीक किए होते! अभी तो आगे चलकर हमें शिक्षा की खराब स्थितियों के बारे में रोना-कलपना होगाय चरित्र की हत्या और भ्रष्टाचार की लीलाओं में फंसे देश-दुनिया के लिए छाती पीटने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। देश में भागम-भाग जारी है। पता नहीं, कौन कहां भाग जाना चाहता हैय किल्लतें सबकी कुंडी उखाड़ रही हैं। एक अच्छी बात यह है कि सरकार द्वारा इंतजाम अपनी सीमाओं में काफी किए गए। अव्यवस्था ने बार-बार पोलें खोलीं। कुछ गड़बड़ी लोग हैं, उन्हें कहीं भी खोंस कर चाहो तो पूरे कौम को बदनाम कर दो। कहना है कि जिन्होंने गड़बड़ी की है, उन्हें ठीक करो। अभी भी जहर की खेती जारी है। इस सबके बावजूद जिन्होंने सेवा की, स्वास्थ्य-सेवाएं बड़ी मेहनत और लगन से कीं, उन्हें सलाम करने की बलवती इच्छा बनी हुई है और बनी रहेगी। घृणा फैलाने वाले लोग लिंक्स बनवाए हुए हैं। उनका अपना धंधा है। घृणा फैलाए बगैर उनका खाना नहीं पचता। फराक गोरखपुरी ने सच कहा हैकृ श्जब तक न ऊंची हो जमीर की लौध्आंख को रोशनी नहीं मिलती।श् हम विपत्तियों से जूझ रहे हैं और वे जहर की फैक्ट्री खोलकर बैठे हैं। कमियां बेहिसाब हैंय लेकिन अपनी कूबत भर जो किया जा रहा है, उसे कम नहीं आंकना चाहिए। कोरोना वायरस के काल में जितना उत्पादन राजनीति के इलाके में हुआ, उतना ही उमड़-घुमड़कर कविता और और साहित्य लिखा गया। लॉक डाउन के दौर में निराशाएं भी उपजीं। मैं देश के लोगों के धैर्य की परीक्षा को बहुत इज्जत के साथ देखता हूं। पहले तीन हफ्ते, फिर 19 दिन कृ लगभग तीन हफ्ते और। खेती-किसानी ठप्प। छोटे-छोटे लोग यानी रोज-रोज कमाने-खाने वाले किस तरह जी रहे हैं! सब अपने-अपने घरों में लगभग बंद हैं। कोरोना टाइम लेगा। और रोगों की तरह वह भी जड़ से जाएगा या नहीं? सभी लोग चिंताओं के भंवर में हैं। हम केवल उम्मीद कर रहे हैं। कहना यह है कि सत्ता के नशे के बावजूद एक दुनिया है। धर्म आस्थाओं और दिखावों के बावजूद भी एक जिजीविषा भरी दुनिया है। कोरोना ने सबको अपनी असली जमीन भी दिखा दी। उसने यह भी संदेश दिया कि ज्यादा न उड़ोय संसार की वास्तविकता के इलाके भी अनुभव करो। कोई दवाई नहींय कोई एंटीबॉयटिक नहीं। कोरोना-त्रासदी में भी एक बारीक बुनावत है। पूरी जिम्मेदारी जैसा हो या नहींय आधा-अधूरा ही सहीय न से तो बेहतर है। हां, उसे जिम्मेदारी जैसा दिखना चाहिए और वैसा ही बरतना भी चाहिए। संकट का काल होता ही ऐसा है कि जो है जैसा है, किसी-न-किसी रूप में चलता रहे। ताबड़तोड़ कार्रवाइयां हो रही हैं। कुछ-न-कुछ होगाय कुछ-न-कुछ होना है। सामान्य जन को हर हाल में रोना है। उनकी जीवन-रेखाओं में कुछ इसी तरह की लकीरें खिंची हैं। भ्रष्टाचार अब खुलकर नहीं, छिपकर दहाड़ रहा है।

संक्रमण से बचाव के लिये मास्क व सेनेटाइजर वितरित

मड़ावरा, ललितपुर। आज पूरा विश्व कोरोना जैसी घातक बीमारी से लड़ रहा है और उससे बचाव के लिए पूरे भारतवर्ष में पुलिस, स्वास्थ्य, सफाईकर्मियों व पत्रकारों की निष्ठापूर्वक कार्यशैली को देखते हुए हर कोई उन्हें दिल से सम्मान देना चाहता है। वह अपनी जान की परवाह न करते हुऐ लगातार लोगों को कोरोना जैसी भयाभय बीमारी से जागरूक कर रहे हैं। इसी क्रम में झांसी-ललितपुर सांसद अनुराग शर्मा ने मड़ावरा, गिरार, मदनपुर में पुलिसकर्मियों को मास्क व सेनेटाइजर भेजा। समिति के कार्यकर्ताओं ने तीनों थानों के प्रभारियों को मास्क व सेनेटाइजर दिया। इस अवसर पर मड़ावरा बुंदेलखंड एकीकरण समिति के तहसील अध्यक्ष माखन कुशवाहा, ब्लाक अध्यक्ष सीताराम, ब्लाक प्रभारी राकेश तिवारी, गोपाल सहरिया, जगदीश लोधी, बृषभान लोधी आदि उपस्थित रहे।

थाना प्रभारी भगवत सिंह ने मांगा जनसहयोग

गंगोह, सहारनपुर। थाना प्रभारी भगवत सिंह ने एक पोस्टर जारी कर नागरिको से मार्मिक अपील किया

जिसमें लिखा कि मैं भी इंसान हूं। इसके माध्यम से सभी लोगों से जनसहयोग की अपील करते हुए कोतवाल ने कहा कि लॉक डाउन और रमजान के चलते पुलिस की कसरत बढ़ गई है और बड़ी तादाद में फोन सुनने पड़ते हैं। इसके चलते पुलिस को 24 घंटे काम करना पड़ रहा है। सामान्य दिनों के मुकाबले इस समय पुलिस के प्रत्येक जवान को 20 से 22 घंटे काम करना पड़ रहा है जिसमें उन्हें आराम के लिए बहुत कम समय मिलता है।

ऐसे में कोतवाली प्रभारी भगवत सिंह ने एक पोस्टर जारी किया है जिसमें लिखा गया है मैं भी एक इंसान हूं। पुलिस प्रशासन की मदद करो और लॉक डाउन का पालन करें।

अक्षय तृतीया पर पूजा-अर्चना कर जरूरमदों तक पहुंचायी गयी सामग्री

ललितपुर। अक्षय तृतीया पर भगवान की पूजा अर्चना कर गरीबों के लिए मदद पहुंचाने का काम जारी रहा। भगवान ऋषभदेव ने अपने मुनि काल में तपस्या की और 1 दिन आहार चर्या को विधिपूर्वक निकले। 6 माह तक उनकी विधि नहीं मिली। उनकी आहार चर्या की विधि थी गन्ना और गन्ना से संबंधित गुड़ जो 6 माह बाद राजा श्रेयांश के निवास पर मिली जहां उनकी आहार चर्या संपन्न हुई। अक्षय तृतीया का पर्व मुनि श्री के आहार देने का पर्व है। इसी को लेकर उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल और जय अंबे रक्तदान समिति ने महावीरपुरा, सरदारपुरा, लकड़हारापुरा, तालाबपुरा में जाकर खाद्य सामग्री बांटा। साथ ही लोगों से आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड करने को कहा और मास्क दिया। इसी क्रम में अजय जैन ने पुनः लोगों से अपने घरों में सुरक्षित रहने को कहा। इस अवसर पर जय अंबे रक्तदान समिति के अध्यक्ष दीपक राठौर, रवींद्र जैन, आकाश जैन, जितेंद्र राठौर, जित्तू, रवि, राजा, नितिन, आनंद जैन आदि उपस्थित रहे।

राधास्वामी सत्संग व्यास आश्रम में श्रमिकों के लिये बना अस्थायी विश्राम स्थल

विनीत शर्मा

शामली। देश में कोरोना वायरस जैसी घातक बीमारी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समस्त देश में लॉक डाउन करने की घोषणा की हुई है। इस कारण हरियाणा में फंसे श्रमिकों को हरियाणा रोडवेज की बसों द्वारा कैराना लाया गया जहां से थर्मल स्कैनिंग व सूची के सत्यापन के बाद उन्हें यूपी रोडवेज की बसों द्वारा यूपी के विभिन्न जिलों के लिए रवाना किया गया। पिछले सवा महीने से लॉक डाउन के कारण हरियाणा में फंसे यूपी के विभिन्न जिलों के श्रमिकों को सरकार के निर्देश पर यूपी में लाया जा रहा है। रविवार को शामली रोड स्थित राधा स्वामी सत्संग व्यास आश्रम में श्रमिकों के लिए अस्थायी विश्राम स्थल बनाया गया।रविवार को हरियाणा के विभिन्न जिलों से करीब 850 श्रमिको को लेकर हरियाणा रोडवेज की 28 बसे आश्रम पर पहुंची। यहां पर हरियाणा प्रशासन द्वारा बसो के साथ भेजी गई श्रमिकों की सूची का सत्यापन करने के अलावा स्वास्थ्य विभाग ने श्रमिकों की थर्मल स्कैनिंग करने के बाद उन्हें आश्रम में भेज दिया। आश्रम के अन्दर यूपी के

जिला लखीमपुर खीरी, रायबरेली, उन्नाव, सीतापुर, प्रतापगढ़, प्रयागराज, कौशाम्बी, मिर्जापुर आदि 12 जिलों में श्रमिकों को भेजने के लिए 12 टेबल लगायी गई थी। श्रमिकों ने अपने जिलों की टेबलों पर अपना नाम पता नोट कराया। एक जिले के 30 से 32 श्रमिकों के नाम नोट होने के बाद उन्हें यूपी रोडवेज की बसों द्वारा उनके जिलो की और रवाना किया गया। करीब 5 बजे तक 332 श्रमिकों को लेकर बहराइच के लिए 3, लखीमपुर खीरी के लिए 4, रायबरेली के लिए 2, उन्नाव के लिए 1 तथा सीतापुर के लिए 1 बस रवाना हो चुकी थी।

दूसरे चरण में भी जरूरतमंदों को मदद जारी

शुकुल बाजार, अमेठी। स्थानीय क्षेत्र के अहमदपुर में ग्राम प्रधान रण बहादुर यादव द्वारा गरीब व असहाय लोगों को खाद्यान्न सामग्री वितरण कराई गई। उन्होंने ग्रामसभावासियों से लॉक डाउन को सफल बनाने की अपील किया। साथ ही प्रशासन का सहयोग करने की बात कही। उन्होंने कहा कि गरीब व असहाय लोगों की मदद जारी रहेगी। कोई भूखा नहीं सोएगा। खाद्यान्न पाकर गरीब असहाय लोगों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने लोगों से अपील किया कि बिना किसी आवश्यकता के घर से बाहर न निकलें।

कार्यालयः ग्राम पंचायत गोड़िला, वि.खं. शाहगंज, जनपद जौनपुर

अल्पकालिक निविदा

वित्तीय वर्ष २०२०-२१ में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/१४वां वित्त एवं मनरेगा योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से नाली, खड़ंजा, पुलिया, आंगनवाड़ी केन्द्र, हैण्डपम्प मरम्मत, हैण्डपम्प रिबोर, सौर ऊर्जा स्थापना, पंचायत भवन मरम्मत/निर्माण, सोख्ता गड्ढा, विद्यालय की बाउण्ड्री निर्माण, ए.एन.एम. सेण्टर की बाउण्ड्रीवाल, विद्यालय का कायाकल्प, ग्रीन बोर्ड, डेस्क, बेंच, दिशासूचक बोर्ड, टाइल्स, फागिंग मशीन, आंगनवाड़ी के लिये निम्न सामग्री, इण्टरलाकिंग, सामूहिक शौचालय निर्माण, खेलकूद मैदान, खेलकूद सामग्री, पंचायत भवन निर्माण, सुन्दरीकरण, कोविड १९ सिनेटाइजेशन, सफाई किट, ब्लीचिंग पाउडर, गोशाला निर्माण, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, तालाब इत्यादि कार्य हेतु सामग्री क्रय के लिये ग्राम पंचायत में सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिसे इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक २७.०४.२०२० से दिनांक ०१.०५.२०२० को अपरान्ह ४ बजे तक सीलबन्द निविदा ग्राम पंचायत के कार्यालय में जमा की जा सकती है जो ०२.०५.२०२० को अपरान्ह २ बजे खोली जायेगी। उक्त कार्य कराने हेतु ईंट, ईंट गिट्टी, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईंट, एस.ओ.बी. ईंट, सीमेण्ट, बालू, सरिया, लकड़ी/लोहे का दरवाजा, पेण्ट, विद्युतीकरण हेतु इलेक्ट्रिक सामग्री, शौचालय सेड इत्यादि की आवश्यकता होगी।

अतः ग्रामसभा/विकास खण्ड/जनपद के पंजीकृत आपूर्तिकर्ता उपरोक्त सामग्री आपूर्ति हेतु अपना दर प्रस्तुत करें।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लम्बाई	दर
१.	ईंट १५० एम.एम. प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईंट	प्रति हजार	
२.	सीमेण्ट	प्रति बैग	
३.	मोरंग बालू	प्रति घन मी.	
४.	महीन बालू	प्रति घन मी.	
५.	स्टोन ब्लास्ट २२.४ एम.एम. से ५३ एम.एम. (अलग-अलग)	प्रति घन मी.	
६.	ईंट गिट्टी २० एम.एम./४. एम.एम.	प्रति घन मी.	
७.	सरिया	प्रति कुन्तल	
८.	ह्यूम पाइप ३५० एम.एम. एन.पी. श्री	प्रति नग	
९.	ह्यूम पाइप ६००/६०० एम.एम.	प्रति नग	
१०.	सोलर लाइट व स्ट्रीट लाइट	प्रति नग	
११.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
१२.	शौचालय सामग्री	प्रति नग	
१३.	पत्थर पटिया विभिन्न साइज	प्रति नग	
१४.	इण्डिया मार्का टू हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
१५.	चूना, पेण्ट इत्यादि	प्रति नग	
१६.	डेस्क, बेंच सहित अन्य सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	
१७.	कोरोना वायरस संक्रमण के बचाव से सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	

नियम एवं शर्तें- १- सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद की जायेगी। २- आवश्यकतानुसार सामग्री आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के आदेश पर ही की जायेगी, अन्यथा नहीं। ३- सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है। ४- सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। ५- सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा ५० रूपये के स्टाम्प पेपर पर बाण्ड भरना अनिवार्य होगा, तदोपरान्त आपूर्ति जारी किया जायेगा। ६- सामग्री आपूर्ति के बाद निर्माण समिति की स्वीकृति के बाद भुगतान किया जायेगा। ७- आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में, रजिस्ट्रेशन विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा आयकरदाता हो, प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। ८- प्रस्तुत दर पी.डब्ल्यू.डी. की स्वीकृत दर से अधिक न हो। ९- सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा की जानी अनिवार्य होगी। १०- सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। ११- निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार हथोहस्ताक्षरी का होगा।

राम अवध भारती
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत गोड़िला
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

लक्ष्मी चन्द्र
ग्राम पंचायत/विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत गोड़िला
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

पत्रांक-मेमो/ग्रा.पं./निविदा/२०२०-२१, दिनांक........

कार्यालयः ग्राम पंचायत बड़ागांव, वि.खं. शाहगंज, जनपद जौनपुर

अल्पकालिक निविदा

वित्तीय वर्ष २०२०-२१ में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/१४वां वित्त एवं मनरेगा योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से नाली, खड़ंजा, पुलिया, आंगनवाड़ी केन्द्र, हैण्डपम्प मरम्मत, हैण्डपम्प रिबोर, सौर ऊर्जा स्थापना, पंचायत भवन मरम्मत/निर्माण, सोख्ता गड्ढा, विद्यालय की बाउण्ड्री निर्माण, ए.एन.एम. सेण्टर की बाउण्ड्रीवाल, विद्यालय का कायाकल्प, ग्रीन बोर्ड, डेस्क, बेंच, दिशासूचक बोर्ड, टाइल्स, फागिंग मशीन, आंगनवाड़ी के लिये निम्न सामग्री, इण्टरलाकिंग, सामूहिक शौचालय निर्माण, खेलकूद मैदान, खेलकूद सामग्री, पंचायत भवन निर्माण, सुन्दरीकरण, कोविड १९ सिनेटाइजेशन, सफाई किट, ब्लीचिंग पाउडर, गोशाला निर्माण, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, तालाब इत्यादि कार्य हेतु सामग्री क्रय के लिये ग्राम पंचायत में सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिसे इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक २७.०४.२०२० से दिनांक ०१.०५.२०२० को अपरान्ह ४ बजे तक सीलबन्द निविदा ग्राम पंचायत के कार्यालय में जमा की जा सकती है जो ०२.०५.२०२० को अपरान्ह २ बजे खोली जायेगी। उक्त कार्य कराने हेतु ईंट, ईंट गिट्टी, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईंट, एस.ओ.बी. ईंट, सीमेण्ट, बालू, सरिया, लकड़ी/लोहे का दरवाजा, पेण्ट, विद्युतीकरण हेतु इलेक्ट्रिक सामग्री, शौचालय सेड इत्यादि की आवश्यकता होगी।

अतः ग्रामसभा/विकास खण्ड/जनपद के पंजीकृत आपूर्तिकर्ता उपरोक्त सामग्री आपूर्ति हेतु अपना दर प्रस्तुत करें।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लम्बाई	दर
१.	ईंट १५० एम.एम. प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईंट	प्रति हजार	
२.	सीमेण्ट	प्रति बैग	
३.	मोरंग बालू	प्रति घन मी.	
४.	महीन बालू	प्रति घन मी.	
५.	स्टोन ब्लास्ट २२.४ एम.एम. से ५३ एम.एम. (अलग-अलग)	प्रति घन मी.	
६.	ईंट गिट्टी २० एम.एम./४. एम.एम.	प्रति घन मी.	
७.	सरिया	प्रति कुन्तल	
८.	ह्यूम पाइप ३५० एम.एम. एन.पी. श्री	प्रति नग	
९.	ह्यूम पाइप ६००/६०० एम.एम.	प्रति नग	
१०.	सोलर लाइट व स्ट्रीट लाइट	प्रति नग	
११.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
१२.	शौचालय सामग्री	प्रति नग	
१३.	पत्थर पटिया विभिन्न साइज	प्रति नग	
१४.	इण्डिया मार्का टू हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
१५.	चूना, पेण्ट इत्यादि	प्रति नग	
१६.	डेस्क, बेंच सहित अन्य सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	
१७.	कोरोना वायरस संक्रमण के बचाव से सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	

नियम एवं शर्तें- १- सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद की जायेगी। २- आवश्यकतानुसार सामग्री आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के आदेश पर ही की जायेगी, अन्यथा नहीं। ३- सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है। ४- सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। ५- सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा ५० रूपये के स्टाम्प पेपर पर बाण्ड भरना अनिवार्य होगा, तदोपरान्त आपूर्ति जारी किया जायेगा। ६- सामग्री आपूर्ति के बाद निर्माण समिति की स्वीकृति के बाद भुगतान किया जायेगा। ७- आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में, रजिस्ट्रेशन विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा आयकरदाता हो, प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। ८- प्रस्तुत दर पी.डब्ल्यू.डी. की स्वीकृत दर से अधिक न हो। ९- सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा की जानी अनिवार्य होगी। १०- सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। ११- निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार हथोहस्ताक्षरी का होगा।

मो. अजहर
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत बड़ागांव
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

लक्ष्मी चन्द्र
ग्राम पंचायत/विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बड़ागांव
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

पत्रांक-मेमो/ग्रा.पं./निविदा/२०२०-२१, दिनांक........

कार्यालयः ग्राम पंचायत खनुवाई, वि.खं. शाहगंज, जनपद जौनपुर

अल्पकालिक निविदा

वित्तीय वर्ष २०२०-२१ में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/१४वां वित्त एवं मनरेगा योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से नाली, खड़ंजा, पुलिया, आंगनवाड़ी केन्द्र, हैण्डपम्प मरम्मत, हैण्डपम्प रिबोर, सौर ऊर्जा स्थापना, पंचायत भवन मरम्मत/निर्माण, सोख्ता गड्ढा, विद्यालय की बाउण्ड्री निर्माण, ए.एन.एम. सेण्टर की बाउण्ड्रीवाल, विद्यालय का कायाकल्प, ग्रीन बोर्ड, डेस्क, बेंच, दिशासूचक बोर्ड, टाइल्स, फागिंग मशीन, आंगनवाड़ी के लिये निम्न सामग्री, इण्टरलाकिंग, सामूहिक शौचालय निर्माण, खेलकूद मैदान, खेलकूद सामग्री, पंचायत भवन निर्माण, सुन्दरीकरण, कोविड १९ सिनेटाइजेशन, सफाई किट, ब्लीचिंग पाउडर, गोशाला निर्माण, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, तालाब इत्यादि कार्य हेतु सामग्री क्रय के लिये ग्राम पंचायत में सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिसे इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक २७.०४.२०२० से दिनांक ०१.०५.२०२० को अपरान्ह ४ बजे तक सीलबन्द निविदा ग्राम पंचायत के कार्यालय में जमा की जा सकती है जो ०२.०५.२०२० को अपरान्ह २ बजे खोली जायेगी। उक्त कार्य कराने हेतु ईंट, ईंट गिट्टी, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईंट, एस.ओ.बी. ईंट, सीमेण्ट, बालू, सरिया, लकड़ी/लोहे का दरवाजा, पेण्ट, विद्युतीकरण हेतु इलेक्ट्रिक सामग्री, शौचालय सेड इत्यादि की आवश्यकता होगी।

अतः ग्रामसभा/विकास खण्ड/जनपद के पंजीकृत आपूर्तिकर्ता उपरोक्त सामग्री आपूर्ति हेतु अपना दर प्रस्तुत करें।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लम्बाई	दर
१.	ईंट १५० एम.एम. प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईंट	प्रति हजार	
२.	सीमेण्ट	प्रति बैग	
३.	मोरंग बालू	प्रति घन मी.	
४.	महीन बालू	प्रति घन मी.	
५.	स्टोन ब्लास्ट २२.४ एम.एम. से ५३ एम.एम. (अलग-अलग)	प्रति घन मी.	
६.	ईंट गिट्टी २० एम.एम./४. एम.एम.	प्रति घन मी.	
७.	सरिया	प्रति कुन्तल	
८.	ह्यूम पाइप ३५० एम.एम. एन.पी. श्री	प्रति नग	
९.	ह्यूम पाइप ६००/६०० एम.एम.	प्रति नग	
१०.	सोलर लाइट व स्ट्रीट लाइट	प्रति नग	
११.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
१२.	शौचालय सामग्री	प्रति नग	
१३.	पत्थर पटिया विभिन्न साइज	प्रति नग	
१४.	इण्डिया मार्का टू हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
१५.	चूना, पेण्ट इत्यादि	प्रति नग	
१६.	डेस्क, बेंच सहित अन्य सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	
१७.	कोरोना वायरस संक्रमण के बचाव से सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	

नियम एवं शर्तें- १- सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद की जायेगी। २- आवश्यकतानुसार सामग्री आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के आदेश पर ही की जायेगी, अन्यथा नहीं। ३- सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है। ४- सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। ५- सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा ५० रूपये के स्टाम्प पेपर पर बाण्ड भरना अनिवार्य होगा, तदोपरान्त आपूर्ति जारी किया जायेगा। ६- सामग्री आपूर्ति के बाद निर्माण समिति की स्वीकृति के बाद भुगतान किया जायेगा। ७- आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में, रजिस्ट्रेशन विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा आयकरदाता हो, प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। ८- प्रस्तुत दर पी.डब्ल्यू.डी. की स्वीकृत दर से अधिक न हो। ९- सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा की जानी अनिवार्य होगी। १०- सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। ११- निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार हथोहस्ताक्षरी का होगा।

बिट्ठन राम
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत खनुवाई
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

लक्ष्मी चन्द्र
ग्राम पंचायत/विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत खनुवाई
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

पत्रांक-मेमो/ग्रा.पं./निविदा/२०२०-२१, दिनांक........

जंग में डटे चिकित्सकों व पुलिसकर्मियों को व्यापार मण्डल ने किया सम्मानित

लोकेश मिश्रा

बाघराय, प्रतापगढ़। स्थानीय क्षेत्र के थाना प्रभारी रविंद्र सिंह यादव मय हमराही व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाघराय के अधीक्षक डा. शबीव हैदर अपनी पूरी टीम के साथ गांवों व बाजारों में भ्रमण करके कोरोना वायरस से बचने के लिए लोगों को जागरूक कर रहे हैं। बताते चलें कि पुलिस व स्वास्थ्य विभाग अपनी जान की परवाह किए बिना लोगों के बीच जाकर कोरोना से बचने के लिए सुझाव सलाह सुरक्षा मुहैया करा रहे हैं। इसको देखते हुये बाघराय व्यापार मंडल ने अपनी पूरी कार्यकारिणी के साथ बाघराय बाजार में पुलिस व स्वास्थ्य टीम पर पुष्पवर्षा करने के साथ ही माल्यार्पण कर उनका मान बढ़ाया। साथ ही सोशल डिस्टेंसिग को ध्यान में रखते हुए थानाध्यक्ष बाघराय रवींद्र सिंह यादव, उपनिरीक्षक अखिलेश प्रसाद, उपनिरीक्षक प्रकाश नारायण, उपनिरीक्षक गिरीशधर दुबे, उपनिरीक्षक वीरपाल सिंह, संतोष कुमार और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बाघराय के अधीक्षक डा. शबीव हैदर, फार्मासिस्ट रामसूरत यादव, समाजसेवी गिरीश तिवारी, अजय सिंह को सम्मानित किया गया। सम्मान करने वालों में व्यापार मंडल के अध्यक्ष बांके लाल चौरसिया, संरक्षक देवीशंकर मिश्रा, राम खेलावन यादव, महामंत्री अनिल पाण्डेय, वरिष्ठ पत्रकार राम प्रसाद यादव, पत्रकार रजत दुबे, अल्पनाथ त्रिपाठी, राकेश केसरवानी, घंटी केसरवानी, प्रमेंद्र द्विवेदी आदि प्रमुख रहे। व्यापारियों ने उपरोक्त लोगों को माल्यार्पण करने के साथ ही अंगवस्त्रम व प्रशस्ति पत्र भेंट किया। इस अवसर पर आद्या प्रसाद राय, राहुल केसरवानी, साजू तिवारी, राहुल मिश्रा, बब्बू शुक्ला, जगदीश मिश्रा, आनंद तिवारी, सुरेश तिवारी, मकसूद अहमद, शंकर लाल गुप्ता, जग नारायण गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

प्रतीक्षा बनीं चिकित्सा अधिकारी

चिलकाना,पठेड़। एक कुल को नहीं, बल्कि दो-दो कुल को रोशन करती है बेटियां। जी हाँ, ऐसा ही कुछ कर दिखाया है पठेड़ की प्रतीक्षा पत्नी डा. अरुण सैनी ने जिनका चयन लोक सेवा आयोग द्वारा चिकित्सा अधिकारी के पद पर हुआ।

पता चला कि डा. प्रतीक्षा का जिला सहारनपुर में अकेली का चयन होने से पठेड़ गाँव वालों मे खुशी की लहर है। डा. प्रतीक्षा के माता-पिता ने हरिद्वार से ही उनको फोन कर बधाई दिया। वहीं डा. प्रतीक्षा ने बताया कि इस सफलता के पीछे उनके माता-पिता का आशीर्वाद व उनकी कठिन परिश्रम व उनके सुसराल वालों का सहयोग है।

मानवता को चरितार्थ कर रहे समाजसेवी डा. अजय सहि उनकी टीम

आदित्य बरनवाल

अमेठी। महामारी को लेकर समाजसेवी डा. अजय अपनी

टीम के साथ 2000 समाजवादी राहत खाद्य सामग्री पैकेट वितरण का वीणा उठाया है जिसमें 3 किलो चावल, 3 किलो आटा, 3 किलो आलू, आधा किलो अरहर की दाल, ढाई सौ ग्राम तेल, आधा किलो नमक, दो पैकेट मसाला है। ऐसी स्थिति में लोगों से अपील किया कि अपने घरों में रहें। प्राथमिकता में विधवा एवं विकलांग को राहत सामग्री दी गयी। उन्होंने बताया कि अमेठी में 1000 राहत सामग्री एवं सुल्तानपुर जिले में 1000 जिसमें बीही निदुरा, सोरांव, दखिनगांव, हैधना खुर्द, सिंघनी, नंदराई, पासी का पुरवा, गोविंदपुर, मिझूठी, देवरा में बांटी गयी। उन्होंने बताया कि उनके सहयोगी अयूब खान, सूर्य नारायण, भोलेनाथ, जीतू, सुनील, सोनू, मोनू, अमरनाथ आदि हैं।

सेना ने मनाया परशुराम का जन्मोत्सव

प्रतापगढ़। परशुराम सेना के संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला की अगुवाई में जिला प्रभारी अनिल पांडेय, जिला उपाध्यक्ष संतोष मिश्र, यूथ जिला उपाध्यक्ष अरुण उपाध्याय, संयोजक सदर विवेक टोनी आदि ने प्रदीप शुक्ला के शिवजीपुरम स्थित आवास पर

भगवान विष्णु जी के छठें अवतार महर्षि जमदग्नि व माता रेणुका के सुपुत्र भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प अर्पित करके उनका जन्मोत्सव मनाया। सभी लोगों ने देशवासियों से शाम 7 बजे अपने घर की बालकनी आदि पर 5 दिए जलाकर भगवान परशुराम का जन्मदिन का लॉक डाउन का पालन करके मनाने की अपील किया जिसका तमाम लोगों ने पालन भी किया। इस अवसर पर युवा नेता अभिषेक मिश्रा, कांग्रेस युवा प्रदेश उपाध्यक्ष डा. नीरज त्रिपाठी, डा. गौरव त्रिपाठी, अच्युता पांडेय, मनीष दुबे आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कोरनटाइन हुए सिपाहियों का जाना कुशल क्षेम

वाराणसी। जिलाधिकारी कौशलराज शर्मा तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रभाकर चौधरी ने आज उन सिपाहियों को जाकर देखा उनका हाल चाल लिया जो पॉजिटिव पाए गए सिपाहियों के साथ बैरेक में रह रहे थे उन 6 सिपाहियों को कोरंटाइन किया गया है । आला अधिकारियों ने सिपाहियों को समझाया कि आप लोगों को कोरंटाइन करके सुरक्षित किया गया है, दूरी बनाकर रहें, मास्क लगाकर रखें और सादा भोजन लें चिंता करने की कोई बात नहीं है 14 दिनों बाद आप सामान्य रुप से रह सकेंगे। इस तरह से आपका परिवार और सब सेफ रहेंगे। इसके पश्चात् पं.दीनदयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय जा कर उनका हाल जाना जहां पर पाज़िटिव पाये गये 7 सिपाहियों का आइसोलेशन वार्ड में इलाज चल रहा है। इसके साथ ही अन्य आइसोलेशन के मरीजों के

इलाज के बारे में मौके पर मौजूद डाक्टरों से जानकारी ली।

कार्यालयः ग्राम पंचायत छभवा, वि.खं. शाहगंज, जनपद जौनपुर

अल्पकालिक निविदा

वित्तीय वर्ष २०२०-२१ में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/१४वां वित्त एवं मनरेगा योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से नाली, खड़ंजा, पुलिया, आंगनवाड़ी केन्द्र, हैण्डपम्प मरम्मत, हैण्डपम्प रिबोर, सौर ऊर्जा स्थापना, पंचायत भवन मरम्मत/निर्माण, सोख्ता गड्ढा, विद्यालय की बाउण्ड्री निर्माण, ए.एन.एम. सेण्टर की बाउण्ड्रीवाल, विद्यालय का कायाकल्प, ग्रीन बोर्ड, डेस्क, बेंच, दिशासूचक बोर्ड, टाइल्स, फार्गिंग मशीन, आंगनवाड़ी के लिये निम्न सामग्री, इण्टरलाकिंग, सामूहिक शौचालय निर्माण, खेलकूद मैदान, खेलकूद सामग्री, पंचायत भवन निर्माण, सुन्दरीकरण, कोविड १९ सिनेटाइजेशन, सफाई किट, ब्लीचिंग पाउडर, गोशाला निर्माण, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, तालाब इत्यादि कार्य हेतु सामग्री क्रय के लिये ग्राम पंचायत में सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिसे इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक २७.०४.२०२० से दिनांक ०१.०५.२०२० को अपरान्ह ४ बजे तक सीलबन्द निविदा ग्राम पंचायत के कार्यालय में जमा की जा सकती है जो ०२.०५.२०२० को अपरान्ह २ बजे खोली जायेगी। उक्त कार्य कराने हेतु ईंट, ईंट गिट्टी, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईंट, एस.ओ.बी. ईंट, सीमेण्ट, बालू, सरिया, लकड़ी/लोहे का दरवाजा, पेण्ट, विद्युतीकरण हेतु इलेक्ट्रिक सामग्री, शौचालय सेड इत्यादि की आवश्यकता होगी।

अतः ग्रामसभा/विकास खण्ड/जनपद के पंजीकृत आपूर्तिकर्ता उपरोक्त सामग्री आपूर्ति हेतु अपना दर प्रस्तुत करें।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लम्बाई	दर
१.	ईंट १५० एम.एम. प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईंट	प्रति हजार	
२.	सीमेण्ट	प्रति बैग	
३.	मोरंग बालू	प्रति घन मी.	
४.	महीन बालू	प्रति घन मी.	
५.	स्टोन ब्लास्ट २२.४ एम.एम. से ५३ एम.एम. (अलग-अलग)	प्रति घन मी.	
६.	ईंट गिट्टी २० एम.एम./४. एम.एम.	प्रति घन मी.	
७.	सरिया	प्रति कुन्तल	
८.	ह्यूम पाइप ३५० एम.एम. एन.पी. थ्री	प्रति नग	
९.	ह्यूम पाइप ६००/९०० एम.एम.	प्रति नग	
१०.	सोलर लाइट व स्ट्रीट लाइट	प्रति नग	
११.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
१२.	शौचालय सामग्री	प्रति नग	
१३.	पत्थर पटिया विभिन्न साइज	प्रति नग	
१४.	इण्डिया मार्का टू हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
१५.	चूना, पेण्ट इत्यादि	प्रति नग	
१६.	डेस्क, बेंच सहित अन्य सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	
१७.	कोरोना वायरस संक्रमण के बचाव से सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	

नियम एवं शर्तें- १- सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद की जायेगी। २- आवश्यकतानुसार सामग्री आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के आदेश पर ही की जायेगी, अन्यथा नहीं। ३- सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है। ४- सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। ५- सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा ५० रूपये के स्टाम्प पेपर पर बाण्ड भरना अनिवार्य होगा, तदोपरान्त आपूर्ति जारी किया जायेगा। ६- सामग्री आपूर्ति के बाद निर्माण समिति की स्वीकृति के बाद भुगतान किया जायेगा। ७- आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में, रजिस्ट्रेशन विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा आयकरदाता हो, प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। ८- प्रस्तुत दर पी.डब्ल्यू.डी. की स्वीकृत दर से अधिक न हो। ९- सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा की जानी अनिवार्य होगी। १०- सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। ११- निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार हधोहस्ताक्षरी का होगा।

देवेन्द्र कुमार
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत छभवा
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

लक्ष्मी चन्द्र
ग्राम पंचायत/विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत छभवा
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

पत्रांक-मेमो/ग्रा.पं./निविदा/२०२०-२१, दिनांक.........

कार्यालयः ग्राम पंचायत सन्दहा, वि.खं. शाहगंज, जनपद जौनपुर

अल्पकालिक निविदा

वित्तीय वर्ष २०२०-२१ में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/१४वां वित्त एवं मनरेगा योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से नाली, खड़ंजा, पुलिया, आंगनवाड़ी केन्द्र, हैण्डपम्प मरम्मत, हैण्डपम्प रिबोर, सौर ऊर्जा स्थापना, पंचायत भवन मरम्मत/निर्माण, सोख्ता गड्ढा, विद्यालय की बाउण्ड्री निर्माण, ए.एन.एम. सेण्टर की बाउण्ड्रीवाल, विद्यालय का कायाकल्प, ग्रीन बोर्ड, डेस्क, बेंच, दिशासूचक बोर्ड, टाइल्स, फार्गिंग मशीन, आंगनवाड़ी के लिये निम्न सामग्री, इण्टरलाकिंग, सामूहिक शौचालय निर्माण, खेलकूद मैदान, खेलकूद सामग्री, पंचायत भवन निर्माण, सुन्दरीकरण, कोविड १९ सिनेटाइजेशन, सफाई किट, ब्लीचिंग पाउडर, गोशाला निर्माण, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, तालाब इत्यादि कार्य हेतु सामग्री क्रय के लिये ग्राम पंचायत में सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिसे इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक २७.०४.२०२० से दिनांक ०१.०५.२०२० को अपरान्ह ४ बजे तक सीलबन्द निविदा ग्राम पंचायत के कार्यालय में जमा की जा सकती है जो ०२.०५.२०२० को अपरान्ह २ बजे खोली जायेगी। उक्त कार्य कराने हेतु ईंट, ईंट गिट्टी, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईंट, एस.ओ.बी. ईंट, सीमेण्ट, बालू, सरिया, लकड़ी/लोहे का दरवाजा, पेण्ट, विद्युतीकरण हेतु इलेक्ट्रिक सामग्री, शौचालय सेड इत्यादि की आवश्यकता होगी।

अतः ग्रामसभा/विकास खण्ड/जनपद के पंजीकृत आपूर्तिकर्ता उपरोक्त सामग्री आपूर्ति हेतु अपना दर प्रस्तुत करें।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लम्बाई	दर
१.	ईंट १५० एम.एम. प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईंट	प्रति हजार	
२.	सीमेण्ट	प्रति बैग	
३.	मोरंग बालू	प्रति घन मी.	
४.	महीन बालू	प्रति घन मी.	
५.	स्टोन ब्लास्ट २२.४ एम.एम. से ५३ एम.एम. (अलग-अलग)	प्रति घन मी.	
६.	ईंट गिट्टी २० एम.एम./४. एम.एम.	प्रति घन मी.	
७.	सरिया	प्रति कुन्तल	
८.	ह्यूम पाइप ३५० एम.एम. एन.पी. थ्री	प्रति नग	
९.	ह्यूम पाइप ६००/९०० एम.एम.	प्रति नग	
१०.	सोलर लाइट व स्ट्रीट लाइट	प्रति नग	
११.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
१२.	शौचालय सामग्री	प्रति नग	
१३.	पत्थर पटिया विभिन्न साइज	प्रति नग	
१४.	इण्डिया मार्का टू हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
१५.	चूना, पेण्ट इत्यादि	प्रति नग	
१६.	डेस्क, बेंच सहित अन्य सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	
१७.	कोरोना वायरस संक्रमण के बचाव से सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	

नियम एवं शर्तें- १- सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद की जायेगी। २- आवश्यकतानुसार सामग्री आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के आदेश पर ही की जायेगी, अन्यथा नहीं। ३- सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है। ४- सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। ५- सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा ५० रूपये के स्टाम्प पेपर पर बाण्ड भरना अनिवार्य होगा, तदोपरान्त आपूर्ति जारी किया जायेगा। ६- सामग्री आपूर्ति के बाद निर्माण समिति की स्वीकृति के बाद भुगतान किया जायेगा। ७- आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में, रजिस्ट्रेशन विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा आयकरदाता हो, प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। ८- प्रस्तुत दर पी.डब्ल्यू.डी. की स्वीकृत दर से अधिक न हो। ९- सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा की जानी अनिवार्य होगी। १०- सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। ११- निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार हधोहस्ताक्षरी का होगा।

आनन्द बहादुर सिंह
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत सन्दहा
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

अरविन्द कुमार
ग्राम पंचायत/विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत सन्दहा
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

पत्रांक-मेमो/ग्रा.पं./निविदा/२०२०-२१, दिनांक.........

कार्यालयः ग्राम पंचायत लखमापुर, वि.खं. शाहगंज, जनपद जौनपुर

अल्पकालिक निविदा

वित्तीय वर्ष २०२०-२१ में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/१४वां वित्त एवं मनरेगा योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से नाली, खड़ंजा, पुलिया, आंगनवाड़ी केन्द्र, हैण्डपम्प मरम्मत, हैण्डपम्प रिबोर, सौर ऊर्जा स्थापना, पंचायत भवन मरम्मत/निर्माण, सोख्ता गड्ढा, विद्यालय की बाउण्ड्री निर्माण, ए.एन.एम. सेण्टर की बाउण्ड्रीवाल, विद्यालय का कायाकल्प, ग्रीन बोर्ड, डेस्क, बेंच, दिशासूचक बोर्ड, टाइल्स, फार्गिंग मशीन, आंगनवाड़ी के लिये निम्न सामग्री, इण्टरलाकिंग, सामूहिक शौचालय निर्माण, खेलकूद मैदान, खेलकूद सामग्री, पंचायत भवन निर्माण, सुन्दरीकरण, कोविड १९ सिनेटाइजेशन, सफाई किट, ब्लीचिंग पाउडर, गोशाला निर्माण, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, तालाब इत्यादि कार्य हेतु सामग्री क्रय के लिये ग्राम पंचायत में सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिसे इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक २७.०४.२०२० से दिनांक ०१.०५.२०२० को अपरान्ह ४ बजे तक सीलबन्द निविदा ग्राम पंचायत के कार्यालय में जमा की जा सकती है जो ०२.०५.२०२० को अपरान्ह २ बजे खोली जायेगी। उक्त कार्य कराने हेतु ईंट, ईंट गिट्टी, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईंट, एस.ओ.बी. ईंट, सीमेण्ट, बालू, सरिया, लकड़ी/लोहे का दरवाजा, पेण्ट, विद्युतीकरण हेतु इलेक्ट्रिक सामग्री, शौचालय सेड इत्यादि की आवश्यकता होगी।

अतः ग्रामसभा/विकास खण्ड/जनपद के पंजीकृत आपूर्तिकर्ता उपरोक्त सामग्री आपूर्ति हेतु अपना दर प्रस्तुत करें।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लम्बाई	दर
१.	ईंट १५० एम.एम. प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईंट	प्रति हजार	
२.	सीमेण्ट	प्रति बैग	
३.	मोरंग बालू	प्रति घन मी.	
४.	महीन बालू	प्रति घन मी.	
५.	स्टोन ब्लास्ट २२.४ एम.एम. से ५३ एम.एम. (अलग-अलग)	प्रति घन मी.	
६.	ईंट गिट्टी २० एम.एम./४. एम.एम.	प्रति घन मी.	
७.	सरिया	प्रति कुन्तल	
८.	ह्यूम पाइप ३५० एम.एम. एन.पी. थ्री	प्रति नग	
९.	ह्यूम पाइप ६००/९०० एम.एम.	प्रति नग	
१०.	सोलर लाइट व स्ट्रीट लाइट	प्रति नग	
११.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
१२.	शौचालय सामग्री	प्रति नग	
१३.	पत्थर पटिया विभिन्न साइज	प्रति नग	
१४.	इण्डिया मार्का टू हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
१५.	चूना, पेण्ट इत्यादि	प्रति नग	
१६.	डेस्क, बेंच सहित अन्य सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	
१७.	कोरोना वायरस संक्रमण के बचाव से सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	

नियम एवं शर्तें- १- सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद की जायेगी। २- आवश्यकतानुसार सामग्री आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के आदेश पर ही की जायेगी, अन्यथा नहीं। ३- सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है। ४- सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। ५- सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा ५० रूपये के स्टाम्प पेपर पर बाण्ड भरना अनिवार्य होगा, तदोपरान्त आपूर्ति जारी किया जायेगा। ६- सामग्री आपूर्ति के बाद निर्माण समिति की स्वीकृति के बाद भुगतान किया जायेगा। ७- आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में, रजिस्ट्रेशन विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा आयकरदाता हो, प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। ८- प्रस्तुत दर पी.डब्ल्यू.डी. की स्वीकृत दर से अधिक न हो। ९- सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा की जानी अनिवार्य होगी। १०- सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। ११- निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार हधोहस्ताक्षरी का होगा।

श्रीमती अन्जुम
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत लखमापुर
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

अरविन्द कुमार
ग्राम पंचायत/विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत लखमापुर
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

पत्रांक-मेमो/ग्रा.पं./निविदा/२०२०-२१, दिनांक.........

जिन्दगी खोने से कुछ दिन की बन्दिश बेहतर : प्रवीण रानी

बदायूं। कोरोना से जंग जीतना है तो सबसे पहले खुद को समझ लीजिए। सब कुछ बहुत ही आसान हो जाएगा। इस संसार में एक अकेला मनुष्य ही ऐसा प्राणी है जिसको ईश्वर ने विषम से विषम परिस्थितियों में सामंजस्य करने की अद्भुत क्षमता उपहार स्वरूप प्रदान की है। कोविड-19 के इस भययुक्त व तनावमुक्त माहौल में हम सभी को अपनी इस सामंजस्य की क्षमता का प्रयोग करना होगा। एक मजबूत व बहादुर योद्धा की

तरह लड़ना होगा और जीत कर ही वापस आना होगा। इस बात का ख्याल रखें जैसे भी हैं, जिस भी हाल में हैं, जहां भी हैं, नकारात्मक विचारों को स्वयं पर हावी न होने दें। सकारात्मक विचारों की चैन द्वारा ही आप कोविड 19 की चैन को तोड़ने में सफल होंगे। संकट काल में हमारी एक सोच भी है जो भावनात्मक रूप से हमें मजबूत बनाती है। उक्त बातें समाजसेविका प्रवीण रानी ने प्रेस को जारी बयान में कही। उन्होंने आगे कहा कि कुछ और भी चीजों को करना होगा। जैसे बेजुबान जानवरों व जरूरतमंदों की सहायता, अफवाहों से बचना और संसाधनों को बचाना। संतुलित भोजन, हर्बस, व्यायाम, योग, ध्यानादि से प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाए रखना होगा। उन्होंने कहा कि हमें धैर्य,संयम व विश्वास रखना होगा कि बदलाव प्रकृति का नियम है लेकिन कुछ बदलाव वक्त लेते हैं।

पूरनपुर में दुकान से तम्बाकू मिलने पर मुकदमा का आदेश

पूरनपुर, पीलीभीत। प्रतिबंध के बावजूद कुछ दुकानदार जमाखोरी कर पान मसाला और तंबाकू के तिगुने चौगुने मूल्य में बेच रहे हैं। रविवार को जिला अभिहित अधिकारी शशांक त्रिपाठी व डिप्टी आरएमओ अवनीश झा ने खाद्य सुरक्षा टीम के साथ नगर के मुख्य बाजार में किराने की दुकानों पर छापेमारी की।

अधिकारियों को फुरकान किराना स्टोर पर प्रतिबंध के बावजूद तंबाकू बिक्री होने की सूचना मिली। इस पर दुकान में छापामारी के दौरान एक बोरा से अधिक तंबाकू बरामद की गई जिसको लेकर हड़कंप मचा रहा। इस बाबत पूछे जाने पर सीएमओ ने बताया कि आरोपी दुकानदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश जारी कर दिया गया है।

मनरेगा मजदूर यूनियन से जुड़े साथियों की मदद की तैयारी शुरू

मुस्ताक आलम

रोहनिया, वाराणसी। स्थानीय क्षेत्र में आशा ट्रस्ट व मनरेगा मजदूर यूनियन ने मनरेगा, दिहाड़ी, खेतिहर मजदूरों व असहाय लोगों को खाद्य सामग्री पहुंचाने का वीणा उठाया है। इसी क्रम में रविवार को मनरेगा मजदूर यूनियन कार्यालय राजा तालाब में सामान की पैकिंग का कार्य किया गया। इस मौके पर मनरेगा मजदूर यूनियन के संयोजक सुरेश राठौर ने कहा कि हम लोग राजा तालाब के सभी गांवों में मनरेगा मजदूर यूनियन से जुड़े साथियों से लगातार संपर्क कर रहे हैं। जिनको भी दिक्कत है, उनको राहत सामग्री पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। इस कार्य में सामाजिक कार्यकर्ता राजकुमार गुप्ता, महेंद्र राठौर, मनोज, मुस्तफा, अजय, रोहित, श्रद्धा, रेनू, प्रियंका, अली हसन आदि प्रमुख हैं।

लाक डाउन में गुरुद्वारा कमेटी गरीबों को करा रही भोजन

पीलीभीत। गुरुद्वारा सिंह सभा अर्जनपुर में लॉक डाउन के पहले ही दिन जरूरतमंद लोगों के लिए लंगर से चल रहा है। लंगर में लोगों को खाना खिलाया जा रहा है। यहीं से भोजन के पैकेट अस्पतालों और गावों में लोगों को बांटे जा रहे हैं। रविवार को क्षेत्राधिकारी पूरनपुर योगेंद्र कुमार ने गुरुद्वारे में पहुंचकर भोजन बनवाने की सेवा किया। इस अवसर पर मलकीत सिंह, पलबिंदर सिंह, सोनू छीना, दिलवाग सिंह, संदीप खंडेलवाल, तारा सिंह, गुरप्रीत सिंह, जगदीश सिंह आदि उपस्थित रहे।

सती की मठिया के पास पड़े कूड़ों को हटवाने की सभासद ने की मांग

पीलीभीत। पूरनपुर क्षेत्र के धार्मिक स्थल के पास सफाई कर्मचारियों द्वारा एकत्र किए जा रहे कूड़ों से उठने वाली दुर्गंध के कारण जहां आमजनों का वहां से निकलना होता है, वहीं धार्मिक स्थल के पास कूड़े के ढेर जनता व वार्डवासियों में रोष व्याप्त है। क्षेत्रीय सभासद मोहम्मद मियां बरकाती ने अधिशासी अधिकारी को पत्र देकर कहा कि यहां से कूड़ा हटवाया जाय। सभासद ने बताया कि क्षेत्र में ऐतिहासिक सती की मठिया है जहां पर बड़ी संख्या में लोग आते-जाते रहते हैं। इसके बावजूद नगर पालिका परिषद बाढ़ में तैनात किए गए सफाईकर्मी वार्ड का कूड़ा सती मठिया के पास इकट्ठा कर देते हैं जिधर से निकलना दूभर है। पत्रक के माध्यम से उन्होंने कहा कि सती मठिया पर हर साल होली के दिन पूजा की जाती है। होली मिलन का भी कार्यक्रम किया जाता है। इसके बावजूद लोगों की आस्था जुड़ी है। उक्त स्थान पर कूड़ा हटवाकर वहां पर सफाई कराने की मांग की गयी।

रमजान में दोपहर-शाम तक दुकानें खुलवाने की मांग

पीलीभीत। कलीनगर नगर पालिका के चेयरमैन के पुत्र आजम खान ने रोजदारों के लिए शहरी-इफ्तार की चीजों की बिक्री करने की अनुमति लेने के संबंध में उपजिलाधिकारी कलीनगर रामदास को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने रोजेदारों की सुविधा को देखते हुए फैनी, फल, फ्रूट सहित अन्य सम्बन्धित सामानों की दुकानों को लॉक डाउन पालन करते हुए खोलने का आदेश जारी किया गया। उन्होंने नगर के प्रत्येक वार्ड में एक-एक दुकान लगाने की अनुमति देने की मांग किया। वर्तमान में रोजा रखकर सुबह 6 से 9 बीच जरूरी सामान ला पाना संभव नहीं है, इसलिए दुकानों को दोपहर से शाम तक खोलने की अनुमति दी जाय।

मण्डी में गेहूं भीगने पर डिप्टी आरएमओ ने दिया मुकदमा का आदेश

पूरनपुर, पीलीभीत। तौल होने के बाद किसान का लगभग 100 बोरी गेहूं सरकारी वारदाने में खुले आसमान के नीचे लगा दिया जो रविवार की सुबह बारिश होने से भीग गया। डिप्टी आरएमओ अवनीश झा ने अचानक मंडी परिसर में लगे क्रय केंद्रों का निरीक्षण किया तो एफसीआई क्रय केंद्र पर गेहूं भीगा देख आक्रोशित हो गये। साथ ही उन्होंने मामले में ठेकेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश जारी किया।

चेक पोस्ट को कराया गया सेनिटाइज

नजीबाबाद, बिजनौर। मंडावली पुलिस ने हरिद्वार मार्ग स्थित मोटा महादेव मंदिर पर बने चेक पोस्ट को कोरोना वायरस संक्रमण को देखते हुए सेनिटाइज कराया गया। यह कार्य चेक पोस्ट के प्रभारी उपनिरीक्षक सुनील पुनिया की देख-रेख में हुआ। वहीं पुलिस ने चेक पोस्ट से गुजरने वाले सभी लोगों को लॉक डाउन व सोशल डिस्टेसिंग का पूरी तरह से पालन करने के निर्देा दिया। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी शशिनाथ भी मौजूद रहे।

सभासद ने आंगनवाड़ी संग कराया पोषाहार का वितरण

नजीबाबाद, बिजनौर। स्थानीय नगर के संतोमालन स्थित आंगनवाड़ी केंद्र की कार्यकत्री संजीदा परवीन ने सभासद अनवर खां मंसूब के साथ मोहल्ले में घर-घर जाकर महिलाओं को पोषाहार का वितरण किया। इस मौके पर दोनों ने लोगों से लॉक डाउन व सोशल डिस्टेसिंग का पूरी तरह से पालन करने की अपील किया। बताया गया कि बाल विकास विभाग द्वारा कलालान स्थित आंगनवाड़ी

केन्द्र पर कार्यकत्री इकरा फात्मा की उपस्थिति में वितरण कार्यक्रम हुआ जहां भाजपा नगर उपाध्यक्ष दीपक एवं नगर निकाय की संयोजक सीमा कर्णवाल ने पात्रों को पोषाहार वितरित किया।

कार्यालयः ग्राम पंचायत पोखरा, वि.खं. महराजगंज, जनपद जौनपुर

अल्पकालिक निविदा

वित्तीय वर्ष २०२०-२१ में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/१४वां वित्त एवं मनरेगा योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से नाली, खड़ंजा, पुलिया, आंगनवाड़ी केन्द्र, हैण्डपम्प मरम्मत, हैण्डपम्प रिबोर, सौर ऊर्जा स्थापना, पंचायत भवन मरम्मत/निर्माण, सोख्ता गड्ढा, विद्यालय की बाउण्ड्री निर्माण, ए.एन.एम. सेण्टर की बाउण्ड्रीवाल, विद्यालय का कायाकल्प, ग्रीन बोर्ड, डेस्क, बेंच, दिशासूचक बोर्ड, टाइल्स, फ्लिंग मशीन, आंगनवाड़ी के लिये निम्न सामग्री, इण्टरलाकिंग, सामूहिक शौचालय निर्माण, खेलकूद मैदान, खेलकूद सामग्री, पंचायत भवन निर्माण, सुन्दरीकरण, कोविड १९ सिनेटाइजेशन, सफाई किट, ब्लीचिंग पाउडर, गोशाला निर्माण, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, तालाब इत्यादि कार्य हेतु सामग्री क्रय के लिये ग्राम पंचायत में सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिसे इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक २७.०४.२०२० से दिनांक ०१.०५.२०२० को अपरान्ह ४ बजे तक सीलबन्द निविदा ग्राम पंचायत के कार्यालय में जमा की जा सकती है जो ०२.०५.२०२० को अपरान्ह २ बजे खोली जायेगी। उक्त कार्य कराने हेतु ईंट, ईंट गिट्टी, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईंट, एस.ओ.बी. ईंट, सीमेण्ट, बालू, सरिया, लकड़ी/लोहे का दरवाजा, पेण्ट, विद्युतीकरण हेतु इलेक्ट्रिक सामग्री, शौचालय सेड इत्यादि की आवश्यकता होगी।

अतः ग्रामसभा/विकास खण्ड/जनपद के पंजीकृत आपूर्तिकर्ता उपरोक्त सामग्री आपूर्ति हेतु अपना दर प्रस्तुत करें।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लम्बाई	दर
१.	ईंट १५० एम.एम. प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईंट	प्रति हजार	
२.	सीमेण्ट	प्रति बैग	
३.	मोरंग बालू	प्रति घन मी.	
४.	महीन बालू	प्रति घन मी.	
५.	स्टोन ब्लास्ट २२.४ एम.एम. से ५३ एम.एम. (अलग-अलग)	प्रति घन मी.	
६.	ईंट गिट्टी २० एम.एम./४. एम.एम.	प्रति घन मी.	
७.	सरिया	प्रति कुन्तल	
८.	ह्यूम पाइप ३५० एम.एम. एन.पी. थ्री	प्रति नग	
९.	ह्यूम पाइप ६००/९०० एम.एम.	प्रति नग	
१०.	सोलर लाइट व स्ट्रीट लाइट	प्रति नग	
११.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
१२.	शौचालय सामग्री	प्रति नग	
१३.	पत्थर पटिया विभिन्न साइज	प्रति नग	
१४.	इण्डिया मार्का टू हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
१५.	चूना, पेण्ट इत्यादि	प्रति नग	
१६.	डेस्क, बेंच सहित अन्य सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	
१७.	कोरोना वायरस संक्रमण के बचाव से सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	

नियम एवं शर्तें- १- सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद की जायेगी। २- आवश्यकतानुसार सामग्री आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के आदेश पर ही की जायेगी, अन्यथा नहीं। ३- सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है। ४- सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। ५- सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा ५० रूपये के स्टाम्प पेपर पर बाण्ड भरना अनिवार्य होगा, तदोपरान्त आपूर्ति जारी किया जायेगा। ६- सामग्री आपूर्ति के बाद निर्माण समिति की स्वीकृति के बाद भुगतान किया जायेगा। ७- आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में, रजिस्ट्रेशन विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा आयकरदाता हो, प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। ८- प्रस्तुत दर पी.डब्ल्यू. डी. की स्वीकृत दर से अधिक न हो। ९- सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा की जानी अनिवार्य होगी। १०- सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। ११- निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार हधोहस्ताक्षरी का होगा।

प्यारे लाल बिन्द
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत पोखरा
विकास खण्ड महराजगंज, जनपद जौनपुर।

सत्येन्द्र यादव
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत पोखरा
विकास खण्ड महराजगंज, जनपद जौनपुर।

पत्रांक-मेमो/ग्रा.पं./निविदा/२०२०-२१, दिनांक.....

कार्यालयः ग्राम पंचायत झासेपुर, वि.खं. शाहगंज, जनपद जौनपुर

अल्पकालिक निविदा

वित्तीय वर्ष २०२०-२१ में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/१४वां वित्त एवं मनरेगा योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से नाली, खड़ंजा, पुलिया, आंगनवाड़ी केन्द्र, हैण्डपम्प मरम्मत, हैण्डपम्प रिबोर, सौर ऊर्जा स्थापना, पंचायत भवन मरम्मत/निर्माण, सोख्ता गड्ढा, विद्यालय की बाउण्ड्री निर्माण, ए.एन.एम. सेण्टर की बाउण्ड्रीवाल, विद्यालय का कायाकल्प, ग्रीन बोर्ड, डेस्क, बेंच, दिशासूचक बोर्ड, टाइल्स, फ्लिंग मशीन, आंगनवाड़ी के लिये निम्न सामग्री, इण्टरलाकिंग, सामूहिक शौचालय निर्माण, खेलकूद मैदान, खेलकूद सामग्री, पंचायत भवन निर्माण, सुन्दरीकरण, कोविड १९ सिनेटाइजेशन, सफाई किट, ब्लीचिंग पाउडर, गोशाला निर्माण, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, तालाब इत्यादि कार्य हेतु सामग्री क्रय के लिये ग्राम पंचायत में सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिसे इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक २७.०४.२०२० से दिनांक ०१.०५.२०२० को अपरान्ह ४ बजे तक सीलबन्द निविदा ग्राम पंचायत के कार्यालय में जमा की जा सकती है जो ०२.०५.२०२० को अपरान्ह २ बजे खोली जायेगी। उक्त कार्य कराने हेतु ईंट, ईंट गिट्टी, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईंट, एस.ओ.बी. ईंट, सीमेण्ट, बालू, सरिया, लकड़ी/लोहे का दरवाजा, पेण्ट, विद्युतीकरण हेतु इलेक्ट्रिक सामग्री, शौचालय सेड इत्यादि की आवश्यकता होगी।

अतः ग्रामसभा/विकास खण्ड/जनपद के पंजीकृत आपूर्तिकर्ता उपरोक्त सामग्री आपूर्ति हेतु अपना दर प्रस्तुत करें।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लम्बाई	दर
१.	ईंट १५० एम.एम. प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईंट	प्रति हजार	
२.	सीमेण्ट	प्रति बैग	
३.	मोरंग बालू	प्रति घन मी.	
४.	महीन बालू	प्रति घन मी.	
५.	स्टोन ब्लास्ट २२.४ एम.एम. से ५३ एम.एम. (अलग-अलग)	प्रति घन मी.	
६.	ईंट गिट्टी २० एम.एम./४. एम.एम.	प्रति घन मी.	
७.	सरिया	प्रति कुन्तल	
८.	ह्यूम पाइप ३५० एम.एम. एन.पी. थ्री	प्रति नग	
९.	ह्यूम पाइप ६००/९०० एम.एम.	प्रति नग	
१०.	सोलर लाइट व स्ट्रीट लाइट	प्रति नग	
११.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
१२.	शौचालय सामग्री	प्रति नग	
१३.	पत्थर पटिया विभिन्न साइज	प्रति नग	
१४.	इण्डिया मार्का टू हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
१५.	चूना, पेण्ट इत्यादि	प्रति नग	
१६.	डेस्क, बेंच सहित अन्य सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	
१७.	कोरोना वायरस संक्रमण के बचाव से सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	

नियम एवं शर्तें- १- सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद की जायेगी। २- आवश्यकतानुसार सामग्री आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के आदेश पर ही की जायेगी, अन्यथा नहीं। ३- सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है। ४- सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। ५- सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा ५० रूपये के स्टाम्प पेपर पर बाण्ड भरना अनिवार्य होगा, तदोपरान्त आपूर्ति जारी किया जायेगा। ६- सामग्री आपूर्ति के बाद निर्माण समिति की स्वीकृति के बाद भुगतान किया जायेगा। ७- आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में, रजिस्ट्रेशन विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा आयकरदाता हो, प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। ८- प्रस्तुत दर पी.डब्ल्यू. डी. की स्वीकृत दर से अधिक न हो। ९- सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा की जानी अनिवार्य होगी। १०- सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। ११- निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार हधोहस्ताक्षरी का होगा।

श्रीमती धनपत्ती देवी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत झासेपुर
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

अरविन्द कुमार
ग्राम पंचायत/विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत झासेपुर
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

पत्रांक-मेमो/ग्रा.पं./निविदा/२०२०-२१, दिनांक.....

कार्यालयः ग्राम पंचायत लतीफपुर द्वितीय, वि.खं. शाहगंज, जनपद जौनपुर

अल्पकालिक निविदा

वित्तीय वर्ष २०२०-२१ में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/१४वां वित्त एवं मनरेगा योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से नाली, खड़ंजा, पुलिया, आंगनवाड़ी केन्द्र, हैण्डपम्प मरम्मत, हैण्डपम्प रिबोर, सौर ऊर्जा स्थापना, पंचायत भवन मरम्मत/निर्माण, सोख्ता गड्ढा, विद्यालय की बाउण्ड्री निर्माण, ए.एन.एम. सेण्टर की बाउण्ड्रीवाल, विद्यालय का कायाकल्प, ग्रीन बोर्ड, डेस्क, बेंच, दिशासूचक बोर्ड, टाइल्स, फ्लिंग मशीन, आंगनवाड़ी के लिये निम्न सामग्री, इण्टरलाकिंग, सामूहिक शौचालय निर्माण, खेलकूद मैदान, खेलकूद सामग्री, पंचायत भवन निर्माण, सुन्दरीकरण, कोविड १९ सिनेटाइजेशन, सफाई किट, ब्लीचिंग पाउडर, गोशाला निर्माण, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, तालाब इत्यादि कार्य हेतु सामग्री क्रय के लिये ग्राम पंचायत में सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिसे इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक २७.०४.२०२० से दिनांक ०१.०५.२०२० को अपरान्ह ४ बजे तक सीलबन्द निविदा ग्राम पंचायत के कार्यालय में जमा की जा सकती है जो ०२.०५.२०२० को अपरान्ह २ बजे खोली जायेगी। उक्त कार्य कराने हेतु ईंट, ईंट गिट्टी, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईंट, एस.ओ.बी. ईंट, सीमेण्ट, बालू, सरिया, लकड़ी/लोहे का दरवाजा, पेण्ट, विद्युतीकरण हेतु इलेक्ट्रिक सामग्री, शौचालय सेड इत्यादि की आवश्यकता होगी।

अतः ग्रामसभा/विकास खण्ड/जनपद के पंजीकृत आपूर्तिकर्ता उपरोक्त सामग्री आपूर्ति हेतु अपना दर प्रस्तुत करें।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लम्बाई	दर
१.	ईंट १५० एम.एम. प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईंट	प्रति हजार	
२.	सीमेण्ट	प्रति बैग	
३.	मोरंग बालू	प्रति घन मी.	
४.	महीन बालू	प्रति घन मी.	
५.	स्टोन ब्लास्ट २२.४ एम.एम. से ५३ एम.एम. (अलग-अलग)	प्रति घन मी.	
६.	ईंट गिट्टी २० एम.एम./४. एम.एम.	प्रति घन मी.	
७.	सरिया	प्रति कुन्तल	
८.	ह्यूम पाइप ३५० एम.एम. एन.पी. थ्री	प्रति नग	
९.	ह्यूम पाइप ६००/९०० एम.एम.	प्रति नग	
१०.	सोलर लाइट व स्ट्रीट लाइट	प्रति नग	
११.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
१२.	शौचालय सामग्री	प्रति नग	
१३.	पत्थर पटिया विभिन्न साइज	प्रति नग	
१४.	इण्डिया मार्का टू हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
१५.	चूना, पेण्ट इत्यादि	प्रति नग	
१६.	डेस्क, बेंच सहित अन्य सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	
१७.	कोरोना वायरस संक्रमण के बचाव से सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	

नियम एवं शर्तें- १- सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद की जायेगी। २- आवश्यकतानुसार सामग्री आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के आदेश पर ही की जायेगी, अन्यथा नहीं। ३- सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है। ४- सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। ५- सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा ५० रूपये के स्टाम्प पेपर पर बाण्ड भरना अनिवार्य होगा, तदोपरान्त आपूर्ति जारी किया जायेगा। ६- सामग्री आपूर्ति के बाद निर्माण समिति की स्वीकृति के बाद भुगतान किया जायेगा। ७- आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में, रजिस्ट्रेशन विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा आयकरदाता हो, प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। ८- प्रस्तुत दर पी.डब्ल्यू. डी. की स्वीकृत दर से अधिक न हो। ९- सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा की जानी अनिवार्य होगी। १०- सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। ११- निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार हधोहस्ताक्षरी का होगा।

श्रीमती सीतापत्ती
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत लतीफपुर द्वितीय
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

अरविन्द कुमार
ग्राम पंचायत/विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत लतीफपुर द्वितीय
विकास खण्ड शाहगंज, जनपद जौनपुर।

पत्रांक-मेमो/ग्रा.पं./निविदा/२०२०-२१, दिनांक.....

शाही पुल
मां शीतला

शिक्षकों से कटौती की गयी अरबों रूपये को महामारी में लगायी जायः धर्मेन्द्र यादव

कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- शिक्षकों व बच्चों के साथ अन्याय है आनलाइन पढ़ाई

जौनपुर (टीटीएन) 26 अप्रैल। सरकार द्वारा 1 अप्रैल 2005 से शिक्षकों, कर्मचारियों व अधिकारियों की बुढ़ापे की लाठी रूपी पेंशन को बन्द कर उसके बदले निजी कम्पनियों को पोषित व भारतीय अर्थव्यवस्था को खोखला करती अलाभकारी अंशदाई पेंशन योजना (एनपीएस) को जबर्दस्ती लागू करने का हम पुरजोर विरोध करते हैं। साथ ही बच्चों के बीच अमीरी-गरीबी की असमानता व हीन भावना पैदा करने वाली ह्वाट्सअप वर्चुअल क्लासेज वाली पठन-पाठन की असफल नीति का भी विरोध करते हैं। उक्त बातें उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (नवीन) के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र यादव ने प्रेस को जारी बयान में कही। उन्होंने आगे कहा कि केन्द्र सरकार जनवरी 2004 में जिस अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाली बोझ का बहाना बनाकर पुरानी पेंशन व्यवस्था को खत्म कर दिया था, आज उसी भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर करती सरकारी खजाने से प्रतिवर्ष 70 लाख कर्मचारियों के बहाने हजारों अरब रूपये एनपीएस के माध्यम से निजी कम्पनियों को मजबूत किया जा रहा है।

धर्मेन्द्र यादव कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष।

शिक्षक नेता श्री यादव ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट कराते हुये मांग किया कि इस महामारी में पुरानी पेंशन बहाल कर एनपीएस के तहत की गयी सम्पूर्ण कटौती को सरकारी खजाने में लेकर महामारी से बचाव के लिये उपयोग करें। वहीं आनलाइन पढ़ाई का विरोध करते हुये उन्होंने कहा कि जब तक सभी बच्चों के पास स्मार्टफोन नहीं होगा और अधिकांश पुराने शिक्षकों को प्रशिक्षित नहीं किया जायेगा, तब तक इस प्रणाली के बहाने 10 प्रतिशत को छोड़कर शेष बच्चों के साथ अन्याय होगा।

एएसपी ने नियार-अजगरा सीमा का किया औचक निरीक्षण

जितेन्द्र चौधरी

चोलापुर, वाराणसी। अपर आरक्षी अधीक्षक ने स्थानीय क्षेत्र के अजगरा पुलिस चौकी का औचक निरीक्षण किया जहां उपस्थित थाना प्रभारी चोलापुर, चौकी प्रभारी अजगरा, ड्यूटी पर तैनात सिपाही समेत पीआरवी 112 को सोशल डिस्टेंगिंग का पालन करने का निर्देश दिया। इसके बाद चेकिंग रजिस्टर सहित अन्य कार्यों का जायजा लेते हुये पूर्व से सही पाए जाने पर थाना प्रभारी एवं चौकी इंचार्ज को इसके लिए उत्साहवर्धन भी किया।

संक्रामक बीमारी से बचाव ही उपचारः जिलाधिकारी

महराजगंज प्रमुख पति से भूसा स्वयं पहुंचे डीएम साहब

महराजगंज, जौनपुर (टीटीएन) 26 अप्रैल। गायों की सेवा बड़ा पुण्य का कार्य है। ऐसे में भूसा लेने मैं स्वयं लेने आया हूं। कोरोना एक संक्रामक बीमारी है जिससे बचाव ही इसका उपाय है।

उक्त बातें जिलाधिकारी दिनेश सिंह ने महराजगंज क्षेत्र के गजाधरपुर में स्थित महाराजगंज ब्लाक प्रमुख के पति विनय सिंह के आवास पर भूसा लेने के दौरान कही।

उन्होंने बताया कि 5000 कुन्तल भूसा गौशालाओं में गायों हेतु संग्रह करने का लक्ष्य रखा है जिसके तहत 100 कुन्तल विनय सिंह द्वारा दिया गया जो सराहनीय कार्य है। इस दौरान उन्होंने कहा कि मोबाइल, बखारी, किराना, थ्रेसर, गाड़ी एवं पंचर मरम्मत की दुकान निर्धारित समय में खुलेंगी।

जौनपुर के महराजगंज क्षेत्र में पहुंचे जिलाधिकारी दिनेश सिंह के साथ मौजूद भाजपा नेता विनय सिंह। छाया-तेजस टूडे

इस अवसर पर उपजिलाधिकारी बदलापुर अंजनी सिंह, राय रतन बहादुर सिंह, राय हरिश्चन्द्र सिंह, अभिषेक, राहुल सिंह, प्रवेश मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

साथ ही ग्रामसभा अमारी में मनरेगा के तहत तालाब खुदाई कर रहे मजदूरों का हौसला बढ़ाते हुये मास्क और लंच पैकेट दिया। इसी क्रम में ग्रामसभा गौरा में भी गरीब मुसहर परिवारों को कुशल क्षेम पूछते हुये मास्क और लंच बाक्स वितरित किया गया।

जफराबाद में नये मशीन से कराया गया सेनेटाइजरः चेयरमैन

जौनपुर के जफराबाद कस्बे में नये मशीन से सेनेटाइजर करवाते चेयरमैन प्रमोद बरनवाल। छाया-तेजस टूडे

जफराबाद, जौनपुर (टीटीएन) 26 अप्रैल। कोरोना वायरस के संक्रमण एवं उसके रोकथाम हेतु रविवार को नगर पंचायत जफराबाद के सफाईकमिन्यों द्वारा चेयरमैन प्रमोदनवाल एवं अधिशासी अधिकारी आशुतोष त्रिपाठी के नेतृत्व में नये सेनेटाइजर मशीन से बाजार के मुख्य मार्ग को सेनेटाइज किया गया। इससे प्रभावित होकर नगरवासियों ने नगर पंचायत परिवार की प्रशंसा किया।

इसके पहले चेयरमैन श्री बरनवाल ने नगरवासियों के बीच नये सेनेटाइजर मशीन का उद्घाटन किया। इसके पश्चात सफाईकर्मियों की एक टोली मुख्य मार्ग पर आगे-आगे झाड़ू लगाकर सफाई एवं कूड़ा निस्तारण के कार्य को अंजाम दे रही थी। साथ ही पीछे-पीछे नालियों में दवा छिड़काव एवं सड़कों को नये सेनेटाइजर मशीन से सैनेटाइज किया जा रहा था।

इस अवसर पर भाजपा नेता शीतला प्रसाद गिरि, सभासद चन्द्रशेखर सरोज, लक्ष्मी प्रसाद गिरि, कल्लू शर्मा, खान असद, जबिन्दर साहू, अमलेश मौर्य, विजय चौरसिया, रौनक बरनवाल, अजय मौर्या, पंचायतकर्मी वेद प्रकाश, सत्यम यादव, ओंकार यादव सहित तमाम लोग उपस्थित सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुये मौजूद रहे।

दो पक्षों में मारपीट, आधा दर्जन घायल, एक गम्भीर

सिकरारा, जौनपुर (टीटीएन) 26 अप्रैल। स्थानीय थाना क्षेत्र के हसनपुर समहउती गांव में पुरानी रंजिश को लेकर रविवार को दो पक्ष आपस में उलझ गये। दोनों ओर से जमकर हुई मारपीट में आधा दर्जन लोग घायल हो गये जिनमें से एक की हालत नाजुक बतायी गयी।

जानकारी के अनुसार क्षेत्र के हसनपुर समहौती गांव में स्थित प्राथमिक पाठशाला के करीब पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गयी। इस घटना में एक पक्ष से संदीप यादव, चन्द्रशेखर जयहिंद यादव, सूर्यभान, राजकुमारी व दूसरे पक्ष से कृष्ण कुमार, भूषण, अरूणांचल घायल हो गये। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को उपचार हेतु अस्पताल भिजवायी जिसमें हालत नाजुक होने पर संदीप को वाराणसी भेज दिया गया। वहीं पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर एक-दूसरे के खिलाफमुकदमा दर्ज कर लिया है।

श्री केपी पाण्डेय इण्टर कालेज में आनलाइन पढ़ाई शुरू

जफराबाद, जौनपुर (टीटीएन) 26 अप्रैल। श्री केपी पाण्डेय इण्टर कालेज जफराबाद एवं केएमपी इण्टरनेशनल स्कूल मुस्तफाबाद जफराबाद के बच्चों के लिये आनलाइन पढ़ाई शुरू हो गयी। इस आशय की जानकारी प्रबन्धक संजीव पाण्डेय ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा मान्यताप्राप्त विद्यालय श्री केपी पाण्डेय इण्टर कालेज जफराबाद व केएमपी इण्टरनेशनल स्कूल के कक्षा 6 से 12 एवं कक्षा 1 से 8 तक के छात्र-छात्राओं का व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर आनलाइन कक्षाएं सुचारू रूप से चल रही हैं।

उन्होंने कहा कि जो बच्चे विद्यालय के व्हाट्सएप ग्रुप पर नहीं जुड़े हैं, वह विद्यालय के प्रबंधक के व्हाट्सएप नम्बर 9918074952 पर अपना नाम, कक्षा, विषय लिखकर भेज दें जिससे उन्हें कक्षा ग्रुप में जोड़ा जा सके।

भय व तनाव का कारण बना फेक न्यूज

आनलाइन संगोष्ठी में वक्ताओं ने की चर्चा

सिद्दीकपुर, जौनपुर (टीटीएन) 26 अप्रैल। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग द्वारा सोशल मीडिया पर कोविड-19 सम्बन्धी फेक न्यूज, नई चुनौतियां एवं मानसिक स्वास्थ्य विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कोविड-19 के सम्बन्ध में फेक न्यूज, सोशल मीडिया की भूमिका और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रभाव पर विस्तार से चर्चा किया।

इस दौरान बतौर मुख्य वक्ता महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा के प्रो. संजीव देशपाण्डे ने कहा कि कोविड-19 से जुड़ी सोशल मीडिया पर फेक न्यूज ने लोगों के मन में भय और तनाव पैदा किया है। फेक न्यूज भावनात्मक असंतुलन का बड़ा कारण है। राजकीय महिला कालेज रायपुर की प्राचार्य प्रो. उषा किरण खान ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य संतुलन बनाये रखने के लिये फेक न्यूज और सोशल मीडिया के अधिक प्रयोग से बचना चाहिये।

फेक न्यूज को लेकर आयोजित आनलाइन संगोष्ठी में शामिल शिक्षा समुदाय से जुड़े लोग। छाया-तेजस टूडे

बीएन मण्डल विश्वविद्यालय मधेपुरा बिहार के मनोविज्ञान विभाग के प्रो. एमडी रहमान ने कहा कि फेक न्यूज को फैलाने में सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका है। फेक न्यूज अनेक मनो रोगों के जन्म का कारण बना है। एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा के पत्रकारिता विभाग की शिक्षिका डा. आशिमा सिंह ने फेक न्यूज है एवं सोशल मीडिया यूजर्स के मनोविज्ञान पर अपनी बात रखी।

इसी क्रम में पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षक डा. दिग्विजय सिंह राठौर, अनू त्यागी, शम्भू प्रसाद, शिव कुमार ने बतौर वक्ताअपना विचार रखा। अन्त में संगोष्ठी की संयोजक डा. जान्हवी श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन किया। संगोष्ठी का संचालन सह संयोजक अवनीश विश्वकर्मा शिक्षक कानपुर विश्वविद्यालय ने किया।

भोजन बांटने वालों का किचन देखेगा अभिहित विभागः एडीएम

जौनपुर (टीटीएन) 26 अप्रैल। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राम प्रकाश ने बताया कि महामारी के परिप्रेक्ष्य में जनपद में लॉक डाउन लागू है। जनपद में गरीबों, मजदूरों एवं जरूरतमंदों को विभिन्न स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा पका-पकाया भोजन अपने किचन में तैयार कराकर वितरित किया जा रहा है जिनके किचेन की जांच किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने निर्देश दिया कि अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की देख-रेख में समस्त स्वैच्छिक संस्थाओं के किचन का निरीक्षण खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम गठित कर करा लें। साथ ही सोशल डिस्टेंस का पालन किया जा रहा है या नहीं। कार्यकर्ताओं व कारीगरों द्वारा मुंह-नाक ढंका जा रहा है या नहीं। किचन में सफाई का ध्यान दिया जा रहा है या नहीं। कार्य की गुणवत्ता ठीक है या नहीं। साथ ही उन्होंने कहा कि निरीक्षण के उपरांत रिपोर्ट प्रस्तुत किया जाय।

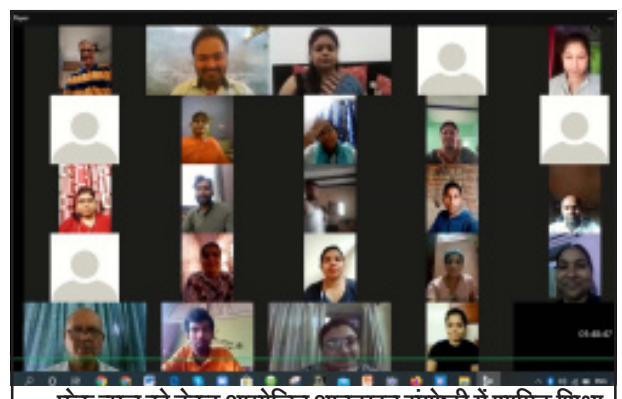

राज्यमंत्री गिरीश यादव ने किया औचक निरीक्षण

चौकियां धाम, जौनपुर (टीटीएन) 26 अप्रैल। ऐतिहासिक शक्तिपीठ मां शीतला चौकियां धाम में रविवार को अचानक उत्तर प्रदेश के आवास एवं शहरी नियोजन मंत्री गिरीश चन्द्र यादव पहुंच गये।

इस दौरान उन्होंने निरीक्षण किया जहां क्षेत्रीय लोगों का हालचाल लेते हुये कहा कि जिन लोगों का राशन कार्ड नहीं बना है एवं जिन लोगों का राशन कार्ड में नाम दर्ज नहीं है, वह नगर महामंत्री उत्तरी मण्डल विकास पण्डा को अवगत करायें। इस अवसर पर अजय सिंह, सुरेन्द्र श्रीमाली, प्रदीप तिवारी, प्रेमचन्द्र मौर्या, अनिल साहू, राजेन्द्र साहू सहित तमाम लोग सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुये उपस्थित रहे।

जौनपुर के मां शीतला चौकियां धाम में क्षेत्रीय लोगों के साथ मौजूद राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव। छाया-तेजस टूडे

पूर्व सांसद केपी सिंह ने जरूरतमन्दों को वितरित किया खाद्यान्न

सिकरारा, जौनपुर (टीटीएन) 26 अप्रैल। लॉक डाउन के दौरान परेशान लोगों को राहत पहुंचाने के लिये पूर्व सांसद कृष्ण प्रताप सिंह ने सिकरारा ब्लाक में सड़क के किनारे डेरा डाले 50 से अधिक जरूरतमन्द परिवारों को अनाज सहित अन्य घरेलू सामान दिया। रविवार को खाद्यान्न का पैकेट लेकर वे सबसे पहले गुदरीगंज बाजार के समीप जौनपुर-प्रयागराज मार्ग पर सड़क किनारे की बांसफोड़ बस्ती के लोगों को अनाज वितरित किया। इसके बाद वे लाला बाजार पहुंचे जहां भी मौजूद बांसफोड़ परिवार को राशन दिये। तत्पश्चात् सिकरारा बाजार व चौराहे पर सड़क के किनारे रहने वाले बांसफोड़ों को राहत सामग्री का पैकेट दिये। इस अवसर पर सिकरारा मण्डल अध्यक्ष अजय मिश्र, विनोद तिवारी, पूर्व मण्डलाध्यक्ष विपुल सिंह, डा. विवेक शर्मा, सर्वेश उपाध्याय, दिनेश उपाध्याय, थाना प्रभारी निरीक्षक विनय प्रकाश प्रकाश सिंह मौजूद थे।

जौनपुर के सिकरारा क्षेत्र में धरिकार जाति के लोगों को राशन सामग्री देते पूर्व सांसद कृष्ण प्रताप सिंह। छाया-तेजस टूडे

धर्मापुर संवाददाता के अनुसार स्थानीय क्षेत्र के उत्तरगावां में ग्राम प्रधान विद्या निषाद द्वारा गर्भवती महिलाओं सहित 7 माह से 3 वर्ष तक के बच्चों को पौष्टिक आहार व फूड पैकेट दिया गया। इस दौरान मुसहर बस्ती की 25 गर्भवती महिलाएं लाभान्वित हुईं। पौष्टिक आहार वितरण के बाद गांव के 7 माह से 3 वर्ष तक के 48 बच्चों को मीठा दलिया, विनिंग फूड व नमकीन दिया गया। इस अवसर पर डा. दयाराम निषाद, चन्द्रशेखर निषाद, किरन यादव, आभा, राम शेखर मौर्य, अनुज निषाद, कमलेश यादव आदि उपस्थित रहे।

मोबाइल कम्पनियों के अधिकारियों से सीडीओ ने की अपील

जौनपुर (टीटीएन) 26 अप्रैल। मुख्य विकास अधिकारी अनुपम शुक्ला ने मोबाइल सेवादाता कम्पनियों से जुड़े अधिकारियों के साथ रविवार को आरोग्य सेतु एप्प डाउनलोड कराने को लेकर बैठक लिया।

कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक में उन्होंने सभी को निर्देश दिया कि वे अपने मोबाइल ग्राहकों को मैसेज भेजकर आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड करने की अपील करें। साथ ही जनपदवासियों से अनुरोध किया कि वे अपने मोबाइल में आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करें।

कार्यालयः ग्राम पंचायत चेती, वि.खं. महराजगंज, जनपद जौनपुर

अल्पकालिक निविदा

वित्तीय वर्ष २०२०-२१ में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/१४वां वित्त एवं मनरेगा योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से नाली, खड़ंजा, पुलिया, आंगनवाड़ी केन्द्र, हैण्डपम्प मरम्मत, हैण्डपम्प रिबोर, सौर ऊर्जा स्थापना, पंचायत भवन मरम्मत/निर्माण, सोख्ता गड्ढा, विद्यालय की बाउण्ड्री निर्माण, ए.एन.एम. सेण्टर की बाउण्ड्रीवाल, विद्यालय का कायाकल्प, ग्रीन बोर्ड, डेस्क, बेंच, दिशासूचक बोर्ड, टाइल्स, फागिंग मशीन, आंगनवाड़ी के लिये निम्न सामग्री, इण्टरलाकिंग, सामूहिक शौचालय निर्माण, खेलकूद मैदान, खेलकूद सामग्री, पंचायत भवन निर्माण, सुन्दरीकरण, कोविड १९ सिनेटाइजेशन, सफाई किट, ब्लीचिंग पाउडर, गोशाला निर्माण, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, तालाब इत्यादि कार्य हेतु सामग्री क्रय के लिये ग्राम पंचायत में सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिसे इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक २७.०४.२०२० से दिनांक ०१.०५.२०२० को अपरान्ह ४ बजे तक सीलबन्द निविदा ग्राम पंचायत के कार्यालय में जमा की जा सकती है जो ०२.०५.२०२० को अपरान्ह २ बजे खोली जायेगी। उक्त कार्य कराने हेतु ईंट, ईंट गिट्टी, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईंट, एस.ओ.बी. ईंट, सीमेण्ट, बालू, सरिया, लकड़ी/लोहे का दरवाजा, पेण्ट, विद्युतीकरण हेतु इलेक्ट्रिक सामग्री, शौचालय सेड इत्यादि की आवश्यकता होगी।

अतः ग्रामसभा/विकास खण्ड/जनपद के पंजीकृत आपूर्तिकर्ता उपरोक्त सामग्री आपूर्ति हेतु अपना दर प्रस्तुत करें।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लम्बाई	दर
१.	ईंट १५० एम.एम. प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईंट	प्रति हजार	
२.	सीमेण्ट	प्रति बैग	
३.	मोरंग बालू	प्रति घन मी.	
४.	महीन बालू	प्रति घन मी.	
५.	स्टोन ब्लास्ट २२.४ एम.एम. से ५३ एम.एम. (अलग-अलग)	प्रति घन मी.	
६.	ईंट गिट्टी २० एम.एम./४. एम.एम.	प्रति घन मी.	
७.	सरिया	प्रति कुन्तल	
८.	ह्यूम पाइप ३५० एम.एम. एन.पी. थ्री	प्रति नग	
९.	ह्यूम पाइप ६००/९०० एम.एम.	प्रति नग	
१०.	सोलर लाइट व स्ट्रीट लाइट	प्रति नग	
११.	इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
१२.	शौचालय सामग्री	प्रति नग	
१३.	पत्थर पटिया विभिन्न साइज	प्रति नग	
१४.	इण्डिया मार्का टू हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री	प्रति नग	
१५.	चूना, पेण्ट इत्यादि	प्रति नग	
१६.	डेस्क, बेंच सहित अन्य सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	
१७.	कोरोना वायरस संक्रमण के बचाव से सम्बन्धित सामग्री	प्रति नग	

नियम एवं शर्तें- १- सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद की जायेगी। २- आवश्यकतानुसार सामग्री आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के आदेश पर ही की जायेगी, अन्यथा नहीं। ३- सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है। ४- सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। ५- सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा ५० रूपये के स्टाम्प पेपर पर बाण्ड भरना अनिवार्य होगा, तदोपरान्त आपूर्ति जारी किया जायेगा। ६- सामग्री आपूर्ति के बाद निर्माण समिति की स्वीकृति के बाद भुगतान किया जायेगा। ७- आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में, रजिस्ट्रेशन विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा आयकरदाता हो, प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। ८- प्रस्तुत दर पी.डब्ल्यू.डी. की स्वीकृत दर से अधिक न हो। ९- सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा की जानी अनिवार्य होगी। १०- सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। ११- निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार हधोहस्ताक्षरी का होगा।

संजू देवी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत चेती
विकास खण्ड महराजगंज, जनपद जौनपुर।

सत्येन्द्र यादव
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत चेती
विकास खण्ड महराजगंज, जनपद जौनपुर।

पत्रांक-मेमो/ग्रा.पं./निविदा/२०२०-२१, दिनांक.........

समाचार सम्पादक
अंकित जायसवाल
9807374781

विज्ञापन व्यवस्थापक
शुभांशू जायसवाल
8081732332

विधि सलाहकार
सुशील वर्मा एडवोकेट
9236196989

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक रामजी जायसवाल तेजस टूडे के लिये एम.जे. ऑफसेट प्रिण्टर्स, नखास (ओलन्दगंज), जनपद जौनपुर से मुद्रित एवं नखास (ओलन्दगंज), पोस्ट सदर, जिला जौनपुर (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित।
सम्पादक रामजी जायसवाल
मो. नं. 09415894402, 08573050002
Email Address: tejastoday1@gmail.com
RNI No. UPHIN/2009/31996
डाक पंजीयन J/JNP-2/2015-2017

समाचार-पत्र से सम्बन्धित विवादों का निबटारा जौनपुर न्यायालय में होगा।